प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

दैनिक यूनिक समय

मथुरा से प्रकाशित

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety Supari
INDIA's FAVOURITE
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-1 | अंक-384 | मथुरा, गुरुवार, 14 मार्च 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

रमणरेती में संतों और श्रद्धालुओं ने खेली ठाकुर राधाकृष्ण से फूलों की होली

होरी खेलन आयो श्याम आज जाए रंग में बोरो री

उदासीन कार्ष्णि आश्रम रमणरेती महावन में श्री राधाकृष्ण व पीठाश्वर कार्ष्णि शरणानंद महाराज पर पुष्प डालकर होली खेलते भक्त।

संवाददाता

यूनिक समय, महावन (मथुरा)। उदासीन कार्ष्णि आश्रम रमणरेती में गोपाल जयंती महोत्सव के चौथे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ होली खेली गई। इसमें संत, श्रद्धालु सभी यशोदानंदन श्रीकृष्ण और वृषभाननंदनी श्री राधाजी के साथ होली खेल कर अपने भाग्य को सिराह रहे थे।

आश्रम के पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज ने राधाकृष्ण स्वरूपों की आरती कर होली का शुभारंभ किया। इससे पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति में आज आयौ री बिहारी जमुना तट पै, मत जइयौ अकेली पनया घट पै, बांके बिहारी की बांकी मरोड़

उदासीन कार्ष्णि आश्रम रमणरेती महावन में रंग से सराबोर होकर नाचते श्रद्धालु।

अबीर गुलाल व रंग की बौछार को लालायित दिखे श्रद्धालु

चित लीनौ है चोर, राधे अलबेली सरकार भजैं जा राधे राधे, होरी खेलन आयो श्याम आज जाए रंग में बोरो री, मेरौ खोयगो बाजू बंध रसिया होरी में आदि रसिया गायन पर श्रृद्धालु भाव विभोर होकर आंनद लेते रहे।

राधाकृष्ण स्वरूपों ने ग्वाल वालों से लठामार होली खेली। पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरु शरणानंद महाराज ने राधाकृष्ण स्वरूपों को गुलाल लगा कर गुलाल होली खेली गई, लड्डू होली खेल भक्तों लड्डू लुटाएं गये।

टेसू के फूलों से तैयार किया गया रंग ग्यारह हजार लीटर पानी में घोलकर कर भक्तों में बौछार की गई। भक्त भी ठाकुर जी के रंग की एक एक बूँद अपने ऊपर पाने के लिए लालायित दिखे। ठाकुरजी के साथ पीठाधीश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानंद महाराज ने फूलों की होली खेली ।

कार्यक्रम में कार्ष्णि स्वरूपानंद महाराज, कार्ष्णि हरदेवानंद महाराज, कार्ष्णि गोविंदा नंद महाराज, कार्ष्णि दिलीप महाराज, कार्ष्णि नागेंद्र महाराज, दिनेश मिश्रा, व्यवस्थापक विजय अजवानी, चंदर अरोड़ा, उमेश जटवानी आदि भक्त मौजूद थे।

यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए एक और कदम

सांसद ने एसटीपी का भूमि पूजन किया

एसटीपी के बारे में सांसद हेमामालिनी को समझाते नगर आयुक्त शशांक चौधरी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए सांसद हेमा मालिनी ने एसटीपी का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के बाद सांसद ने बताया कि यमुना नदी को स्वच्छ करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। कार्य के पूर्ण होने के बाद नगर के किसी भी नाले का अशोधित स्त्राव यमुना में प्रवाहित नहीं होगा।

इस मौके पर नगर आयुक्त शशांक चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश जलनिगम प्रदीप खंडेलवाल, अधिशासी अभियंता जल निगम आर पी सिंह, अवर अभियंता जल निगम नरेश कुमार आदि उपस्थित थे। गौरतलब है कि 60 एमएलडी क्षमता की एसटीपी का निर्माण इंवायरो इंफ्रा संस्था के माध्यम से कराया जाएगा। वृंदावन में अवशेष 02 नग नालों की टैपिंग हेतु धनराशि रुपया 77.70 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे 13 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का निर्माण कराया जाएगा। एसटीपी का निर्माण कार्य अधिकृत संस्था के द्वारा अगले 24 माह में करा लिया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के उपरांत नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत किसी भी अनटैप्ड नाले का अशोधित स्त्राव यमुना नदी में प्रवाहित नहीं होगा।

दो वकीलों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई पर वकीलों में आक्रोश

यूनिक समय, मथुरा। जीएम सप्तम द्वारा दो अधिवक्ताओं के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई किए जाने के लिए जिला जज के माध्यम से हाईकोर्ट को भिजवाने पर अधिवक्ताओं में भारी आक्रोश रहा। लंच के बाद अधिवक्ताओं ने काम भी नही किया। बताया गया कि जीएम सप्तम ने अधिवक्ता महेश रावत और राजेंद्र के खिलाफ किसी मामले में न्यायालय की अवमानना किए जाने की लिखित शिकायत जिला जज से करते हुए दोनों वकीलों के खिलाफ हाईकोर्ट को अवमानना की कार्रवाई करने के लिए लिखवा दिया। इस बात का पता लगने पर अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। अधिवकताओं के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई पर वकीलों ने न्यायालय में प्रात: काम किया। बताया गया कि न्यायालय के कर्मचारी प्रमोद की मृत्यु के समाचार के बाद लंच के बाद अधिवक्ताओं ने काम बंद कर दिया। देखना है कि शुक्रवार को इस मामले में अधिवक्ताओं द्वारा फैसला लिया जाएगा।

सफलता — पंजाब से सस्ती शराब खरीद यूपी में करते थे सप्लाई

तीस लाख रुपये की अंग्रेजी शराब बरामद

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। होली पर होने वाली शराब की तस्करी रोकने के लिए आबकारी विभाग और पुलिस ने अभियान चला रखा है। संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए यमुना एक्स प्रेस वे पर ट्रक से तस्करी कर शराब ले जाते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। ट्रक से 550 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। बरामद शराब की कीमत तीस लाख रुपये है।

आबकारी निरीक्षक गौरव मिश्रा क्षेत्र तीन अपनी टीम के साथ यमुनाएक्सप्रेस वे पर चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच उन्हें शराब की तस्करी करने वाले ट्रक के बारे में जानकारी लगी। आबकारी निरीक्षक ने मांट थाने के प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार को बताया। प्रभारी निरीक्षक चौकी प्रभारी मांट टोल प्लाजा भुवनेश कुमार दीक्षित और पुलिस फोर्स के साथ टोल प्लाजा से एलएचएस साइड 98 के समीप ट्रक को रोक कर उसकी तलाशी की तो तलाशी के दौरान ट्रक में प्लास्टिक की झाल में फोम के गद्दों के नीचे छिपाकर रखी गई 550 पेटी दूसरे प्रदेश की अंग्रेजी शराब पुलिस को मिल गई। पुलिस ने ट्रक व शराब को जब्त कर लिया। शराब की तस्करी करने वाले गौरव जागडा निवासी ग्राम हरिनगर, थाना रामपुरा जिला रिवाड़ी हरियाणा व सतनाम सिंह निवासी ग्राम मकबूलपुरा थाना मकबुलपुरा जिला अमृतसर पंजाब को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को अभियुक्तों ने बताया कि अमृतसर पंजाब से सस्ते दामों पर अंग्रेजी शराब को खरीद कर महंगे दामों पर लखनऊ व अयोध्या रोड पर बिक्री करते हैं।

तीस लाख रुपये की अंग्रेजी शराब के साथ पकड़े गए अभियुक्तों के साथ पुलिस व आबकारी टीम।

दो लोगों को पुलिस ने ट्रक के साथ किया गिरफ्तार

बरसाना में एडीजी ने लठामार होली की सुरक्षा व्यवस्था देखी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना(मथुरा)। कस्बे में 18 मार्च को विश्व प्रसिद्ध लठामार होली मेला है। आगरा जोन की एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ, आईजी दीपक कुमार ने एसएसपी शैलेश कुमार पाण्डेय के साथ कस्बे में होने वाली लड्डू होली व लठामार होली की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में मीटिंग कर सुरक्षा पाइंट की जिले के पुलिस अधिकारियों से जानकारी हासिल की। उन्होंने एसएसपी को निर्देश दिए कि थैला लेकर जाने मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की चैकिंग करने के इंतजाम किए जाएं। भीड़ का फायदा कोई असमाजिक तत्व न उठा सके। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने मेला व्यवस्था की जानकारी एडीजी को देते हुए बताया कि 18 मार्च को होने वाली लठामार होली में आने वाले श्रद्धालुओं के पांच हजार वाहन खड़ा करने के लिए 45 पार्किंग स्थल बनाये है। लड्डू होली व लठामार होली में आने वाले श्रद्धालुओं को वनवे रोड से राधा रानी मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा।

इस पर एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने कहा कि लठामार होली में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी श्रद्धालुओं को मंदिर जाने वाले रास्तों पर गर्मी से बचाव के लिए छायां में बैठने का इंतजाम करने होंगे। चढ़ाई पर चढ़ने के दौरान श्रद्धालुओं को पीने के पानी का इंतजाम भी किया जाए।

गुरुवार को बरसाना के पुराना बस अड्डा स्थित कटारा चौक में खेली जाने वाली लठामार होली की तैयारियों को देखती एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ, आईजी आगरा दीपक कुमार, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय।

दुकानदार और भिखारियों को व्यवस्थित करके जगह देने पर जोर

उन्होंने मंदिर के आस-पास बैठे भिखारी व दुकानदारों को व्यवस्थित तरीके से बैठने के इंतजाम करने के भी निर्देश एसएसपी को दिए। रंगीली गली चौक पर वीआईपी स्थल पर जर्जर इमारत को देखते हुए कहा कि इस इमारत पर किसी व्यक्ति को चढ़ने नहीं दिया जाए। मीडिया कर्मियों को होली की कवरेज करने के लिए मीडिया गैलरी बनाई जाये। नगर पंचायत की ईओ कल्पना बाजपेई ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोया पाया केंद्र, छायां, पीने के पानी, बैठने को बेंच, जूता घर, पार्किंग स्थलों में लाइटिंग, टॉयलेट की व्यवस्था की जा रही है। इस अवसर पर एसपी देहात त्रिगुन सिंह विशेन एवं सीओ गोवर्धन, एसओ बरसाना आदि उपस्थित थे।

पत्रकार होली मिलन समारोह 20 को

यूनिक समय, कोसीकलां। पत्रकार एसोसिऐशन के तत्वावधान में पत्रकार होली मिलन समारोह 20 मार्च को दोपहर 12 बजे अग्रवाल धर्मशाला सराय शाही पर होगा। होली मिलन समारोह में मैजिशियन डॉ. सी.पी. यादव और ब्रज के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। यह जानकारी पत्रकार सोनू गोयल ने दी।

ठाकुर श्री गरुड़ गोविंद महाराज का दिव्य हंडा महोत्सव मनाया

ठाकुर श्री गरुड़ गोविंद महाराज का दिव्य हंडा महोत्सव का शुभारंभ करते जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, गंगोत्री ग्रुप के चेयरमैन नरेंद्र अग्रवाल गया वाले और महोत्सव समिति के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल खांड वाले।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज वृंदावन फाउंडेशन एवं श्री गरुड़ गोविद हंडा महोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में ठाकुर श्री गरुड़ गोविंद महाराज का दिव्य हंडा महोत्सव मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल, गंगोत्री ग्रुप के चेयरमैन नरेंद्र अग्रवाल गया वाले, बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, लक्ष्मण अग्रवाल सर्राफ एवं समिति के अध्यक्ष अखिल अग्रवाल खांड वाले आदि ने राधाकृष्ण के चित्रपट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। मंच पर राधाकृष्ण के स्वरुपों ने होली गायन पर प्रस्तुतियां दीं।

समिति के उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, शिशिर सर्राफ, कंहैया लाल बजाज, सचिव राजकुमार अग्रवाल बर्तन वाले, सह सचिव विनीत अग्रवाल कंठी वाले ने विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली प्रतिभा नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत, डॉ. एसएस जायसवाल, अभय वशिष्ठ, सुधीर शुक्ला, डॉ. लक्ष्मी गौतम एवं डॉ. आनंद अग्रवाल को सम्मानित किया। महोत्सव में संरक्षक विपिन अग्रवाल मुकुट वाले, कृष्ण बिहारी अग्रवाल कपड़े वाले, कंहैया लाल सर्राफ, रमेश चंद सर्राफ, गिरीश अग्रवाल मुम्बई वाले, प्रहलाद वार्ष्णेय चावल वाले, शरद कुमार अग्रवाल सर्राफ, प्रवीन कुमार अग्रवाल सर्राफ, एनके ग्रुप के निदेशक विवेक अग्रवाल, बालकिशन दिल्ली, दाऊदयाल अग्रवाल, महोत्सव के मुख्य संयोजक अनूप अग्रवाल बजाज, हरिदास अग्रवाल, मंडी समिति के सचिव सुनील शर्मा, मनोज अग्रवाल दाल वाले, संयोजक कंहैया लाल शर्मा, मुन्ना लाल, विनोद वार्ष्णेय, ओमप्रकाश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता आदि का सहयोग रहा। संचालन सचिव राजकुमार अग्रवाल ने किया।

यमुना घाट पर विराजमान होकर पिचकारी से राजाधिराज खेलेंगे होली

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि17 मार्च को प्रातः काल 10 से 11:00 बजे तक मंदिर के जगमोहन में ठाकुर जी को भावनात्मक रूप से यमुना जी बनाकर पिचकारी से होली खिलाई जाएगी। सभी कार्यक्रम तिथि घड़ी पल नक्षत्र के हिसाब से प्रारंभ होंगे। इसलिए 17 मार्च को होलीकाष्टक प्रारंभ होने के दिन से ठाकुर जी स्वर्ण और रजत की पिचकारियों से होली खेलेगे। यह क्रम होलिकाष्टक से प्रतिदिन 10 बजे से 11 बजे तक मंदिर प्रांगण में चलेगा। 20 मार्च को ठाकुर जी कुंज में विराजमान होकर होली खेलेंगे। 22 मार्च को ठाकुर जी बगीचे में विराजमान होकर होली खेलेंगे। 25 मार्च को डोल महोत्सव के साथ सभी कार्यक्रमों का समापन होगा।

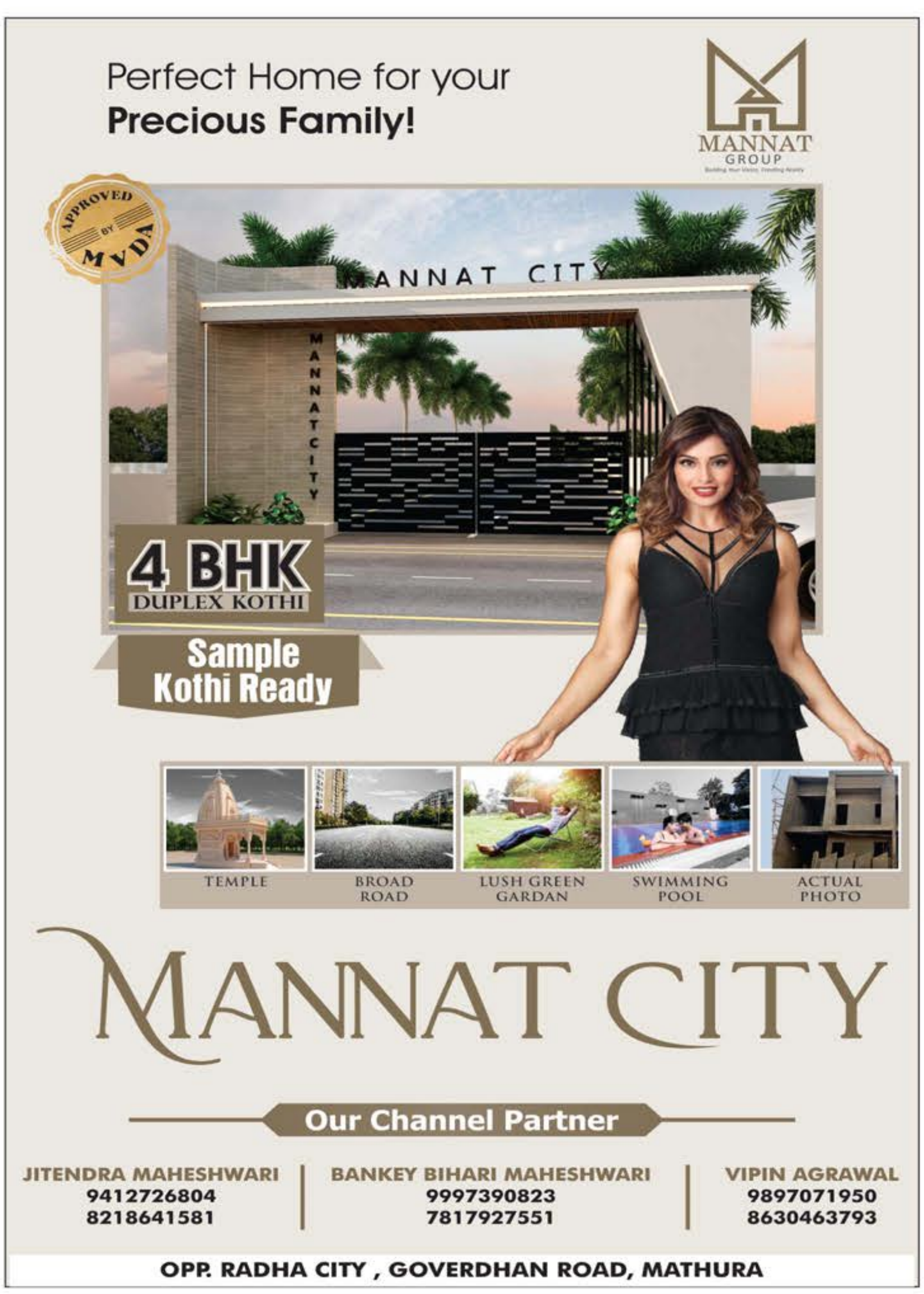

नववर्ष मेला समिति की बैठक कल

यूनिक समय,मथुरा। नव सम्वत् 2081 की पूर्व संध्या पर नववर्ष मेला आयोजित होने के संबंध में नववर्ष मेला समिति की बैठक 15 मार्च को सायं 6 बजे से सरस्वती शिशु मंदिर दीन दयाल नगर मथुरा में होगी।

भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन

राजस्व अधिवक्ता एसोसिएशन के बैनर तले आंदोलन

डीएम से शिकायत के बाद भी नहीं निकला हल

आयुक्त के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

बीस दिन से राजस्व न्यायालय में काम नहीं कर रहे हैं

भ्रष्टाचार के खिलाफ नारे बाजी के साथ ज्ञापन देने के लिए जाते आक्रोशित अधिवक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। राजस्व अधिवक्ता एसोसिएशन (कलेक्ट्रेट कंपाउंड) के सदस्यों ने सदर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन कर एसडीएम नरेंद्र यादव को आयुक्त के नाम ज्ञापन दिया।

राजस्व अधिवक्ता एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने राजस्व वादों में एडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों पर भ्रष्टाचारों के आरोप में पिछले 20 दिन से कार्य का वहिष्कार कर रखा है। जिलाधिकारी के आश्वासन के बाद भी उनकी समस्या का समाधान न होने पर गुरुवार को अधिवक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट स्थित चौधरी चरण सिंह की मूर्ति के समीप एकत्रित होकर भ्रष्टाचार के विरूद्ध नारे बाजी करते हुए जुलूस निकाला। सदर तहसील पहुंचे। वहां से होते हुए जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंचे और वहां आयुक्त के नाम समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन दिया।

ज्ञापन देने वालों में राधामोहन शर्मा, शिव कुमार लवानिया, राघवेंद्र सिंह, धीरज चौधरी, राजत चौधरी, उमेश शर्मा, अमित जैन एवं योगेश शर्मा आदि शामिल थे।

जूता कारखाने में भीषण आग, केमिकल ड्रमों में धमाके

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना जगदीश पुरा क्षेत्र में आज सुबह जूते की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। लपटे एक किलोमीटर दूर से दिख रहीं थीं। आस–पास रहने वाले लोग दहशत में दिखे। सभी घरों से बाहर आ गए। फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियों ने करीब चार घंटे में आग पर काबू पाया।

जगदीशपुरा इलाके के मानस नगर में अजीत फुटवियर के नाम से जूते की फैक्ट्री है। फैक्ट्री रिहायशी इलाके के बीच में है। लोगों ने बताया कि मध्य रात के बाद करीब तीन–चार बजे के बीच फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आस–पास के लोगों ने आग की लपटें उठते देखा। सूचना फैक्ट्री मालिक को दी। थोड़ी देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लोग दहशत में आ गए।

फैक्ट्री में रखे केमिकल के ड्रमों में धमाके हो रहे थे। फैक्ट्री के आस–पास रहने वाले लोग घरों से बाहर निकल आए। उन्हें आशंका थी कि आग उनके मकान को चपेट में न ले ले। सुबह सात बजे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

"बोलती तस्वीर"

बाइक की जुगाड़ को टोकने वाला कोई नहीं

बाइक की बनी जुगाड़ पर रखकर ले जाए जा रहे पाइप से कोई टकरा जाए तो कल्पना कीजिए कितना बड़ा हादसा हो सकता है। गोवर्धन चौराहा से गुजरती इस जुगाड़ को टोकने वाला कोई पुलिसकर्मी नहीं था। न पाइप के आगे लाल झंडी थी और न पीछे। जुगाड़ आगे बढ़ती जा रही थी। बाइक की जुगाड़ को चलाने वाला किसी भी ओर देख नही पा रहा था। छाया–प्रदीप कांत मिश्रा।

एडीजी ने महुअन में बने मतदान केंद्र को देखा

महुअन के मतदान केंद्र का निरीक्षण करती एडीजी अनुमपा कुलश्रेष्ठ, पुलिस महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र दीपक कुमार व एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय।

यूनिक समय, मथुरा। अपर पुलिस महा निदेशक आगरा जोन अनुपमा कुलश्रेष्ठ व पुलिस महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र दीपक कुमार ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए मथुरा के फरह ब्लॉक के गांव महुअन के प्राइमरी स्कूल में बने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस मौके पर एसएसपी शैलेंश कुमार पांडेय व पुलिस अधिकारी भी उनके साथ थे। अधिकारियों ने वहां के लोगों से भी बातचीत की।

सीसी रोड के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत।

उप डाकघर शाखा रमणरेती क्षेत्र में ही स्थापित हो

यूनिक समय, वृन्दावन। रमणरेती क्षेत्र स्थित इस्कॉन मन्दिर परिसर में कई साल से चल रहे उप डाक घर के हटाए जाने से क्षेत्रीय व निकटवर्ती लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्हें डाक घर सम्बन्धी छोटे–छोटे कार्यों के लिए भी दूर–दराज के डाक घरों में जाने को विवश होना पड़ रहा है। ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि इस्कॉन मंदिर परिसर में कई वर्ष से किराए के भवन में चल रही उप डाक घर की रमणरेती शाखा के भवन को इस्कॉन संस्था ने लगभग छह माह पूर्व खाली करा लिया था। अधिकारियों ने इस शाखा को रमणरेती क्षेत्र में ही कहीं अन्य स्थापित करने के बजाय मथुरा की गायत्री तपोभूमि शाखा से सम्बद्ध कर दिया है, जिससे क्षेत्रीय नागरिकों को आये दिन अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि रमणरेती क्षेत्र वृन्दावन का एक पॉश इलाका है। इस क्षेत्र में हजारों की संख्या में देशी–विदेशी वरिष्ठ नागरिक रहकर भजन–साधना कर रहे हैं। अपनी वृद्धावस्था के चलते डाक घर के कार्य के लिए कहीं दूर जाने में असमर्थ हैं। उन्हें रमणरेती क्षेत्र में हीं डाक घर की अत्यधिक आवश्यकता है। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने केंद्रीय दूर संचार मंत्री, उत्तर प्रदेश के पोस्ट मास्टर जनरल, आगरा मंडल के मंडलीय डाक अधीक्षक एवं डाकघर के उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है।

भगत–सांगीत नौटंकी महोत्सव का समापन

लोक विधाओं के संरक्षण के लिए राज्याश्रय की आवश्यकता

तीन दिवसीय भगत–सांगीत नौटंकी महोत्सव के समापन पर अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में गुरूवार को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं जीएलए विश्वविद्यालय के सहयोग से चल रही त्रिदिवसीय भगत–सांगीत नौटंकी महोत्सव–2024 का समापन हो गया।

'भगत–सांगीत नौटंकी का संरक्षण और भविष्य' विषयक संगोष्ठी भगत–सांगीत नौटंकी साहित्य की प्रदर्शनी एवं 'आधी–रोटी' विषयक नौटंकी का प्रदर्शन किया गया। गीता शोध संस्थान के समन्वयक चन्द्रप्रताप सिकरवार ने कहा कि भगत–सांगीत नौटंकी केवल मनोरंजन ही नहीं अपितु अपने इतिहास, परंपरा से जोड़ने एवं सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। मथुरा के डॉ. दीपक गोस्वामी ने लोक विधाओं के संरक्षण के लिए राजाश्रय पर बल दिया।

आकाशवाणी मथुरा के पूर्व निदेशक सर्वेश कुमार ने रामगोपाल सत्यार्थी के प्रतिनिधि के रूप में उनके लेख को पढ़ा। इस मौके पर मोहनलाल गौतम 'मोही' लोक नाट्य विशेषज्ञ डॉ. खेमचंद यदुवंशी एवं आचार्य खेमचन्द यदुवंशी शास्त्री ने विचार व्यक्त किए। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कहा कि हमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। हमारे समेकित प्रयास एक दिन इस विधा को अवश्य स्वर्णिम युग में पहुँचायेंगे। मुंबई के डॉ. अष्टभुजा मिश्र ने त्रिदिवसीय भगत–सांगीत नौटंकी महोत्सव की समीक्षा की। द्वितीय सत्र में द्वारिका लोक नाट्य कला उत्थान समिति, कौशाम्बी ने नौटंकी 'आधी–रोटी' का प्रदर्शन किया। संचालन श्रीमती चंद्रिका कुमार तथा सुश्री दीपिका शर्मा ने किया।

किशोरपुरा व गांधी नगर में सड़क निर्माण का शुभारंभ

यूनिक समय, वृंदावन । 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की श्रृंखला में नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत ने वार्ड नौ के गांधीनगर एवं किशोरपुरा में 20 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड का शिलान्यास किया। आचार्य विवेक ने मंत्रोंच्चार किया। इस मौके पर पार्षद सुमित गौतम, पार्षद वैभव अग्रवाल, कृष्णचंद्र गौतम, राम प्रकाश गौतम, पूर्व पार्षद हेमंत भारती, अजय शर्मा, पदम गोला एवं दिनेश गौतम उपस्थित थे।

रजवाह में गिरा टेम्पो, एक की मौत

यूनिक समय, कोसीकलां। अज्ञात वाहन की टक्कर से टेम्पो रजवाह में गिर गया। इसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बुधवार की रात जयपाल उर्फ डिगम्बर पुत्र प्रताप सिंह निवासी गांव हुलवाना, थाना कोसीकलां हाल निवासी शिव कॉलोनी, होडल, पलवल, जिला हरियाणा विजेन्दर के साथ होडल जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने टैम्पो में टक्कर मार दी। जिससे टैम्पो रजवाह में जा गिरा। हादसे में जयपाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी विजेन्दर चोटिल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव और टैम्पो को रजवाह से बाहर निकालकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चाचा बृजकिशोर ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

मथुरा जनपद के एकमात्र DM (नेफ्रोलॉजिस्ट) की सेवाएं अब केडी मेडीकल में

Dr. Imran S. Sofi
DM Nephrology SKIMS, Sri Nagar
MD Medicine SKIMS, Sri Nagar
MBBS AMU Aligarh

गुर्दा रोग विभाग (नेफ्रोलॉजी)

- एक्यूट किडनी फेलियर
- क्रोनिक किडनी फेलियर
- नेफ्रोटिक सिंड्रोम
- पेशाब में खून आना
- पेशाब में प्रोटीन आना
- पेशाब के रास्ते में जलन होना
- शरीर में सूजन आना
- पेशाब का कम ज्यादा आना
- अत्यधिक बीपी बढ़ना
- बार–बार खून कम होना
- गुर्दे प्रत्यारोपण की सलाह
- डायलिसिस संबंधी समस्त इलाज

ओपीडी फ्री प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक

24 घण्टे इमरजेंसी सेवायें

24 घंटे डायलिसिस की सुविधा

के. डी. हॉस्पीटल

हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस ईलाज की सुविधा

ECHS की सुविधा

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा

भारतीय रेलवे से सम्बद्ध

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर

अकबरपुर, छाता, मथुरा, हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

गोवर्धन से गौ संरक्षण पदयात्रा का किया शुभारंभ

गाय को राष्ट्र माता घोषित करे सरकार : अविमुक्तेश्वरानंद

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। गिरिराज पूजन व गिरिराज सप्तकोसीय परिक्रमा के साथ जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ संरक्षण पद यात्रा का शुभारंभ गोवर्धन से कर दिया।

उन्होंने 15 दिवसीय दिल्ली तक की पद यात्रा करने से पहले गाय को राष्ट्र माता घोषित कराने और गौ संरक्षण की प्रार्थना गिरिराज महाराज से की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गिरिराज महाराज का दुग्धाभिषेक कर पूजन अर्चन किया। मंदिर के सेवायत दीपचंद पुरोहित एवं सेवायत हर्षवर्धन कौशिक ने पूजा अर्चना कराई।

मंदिर पर गोवर्धन नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार की अगुवाई में नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर अंग वस्त्र ओढ़ाकर शंकराचार्य का स्वागत किया। शंकराचार्य ने ब्रज संत पंडित गया प्रसाद की भजन कुटीर में

गिरिराज दानघाटी मंदिर में पूजन अर्चन करते शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती। साथ में नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार एवं आचार्य रासबिहारी आदि।

गिरिराज पूजा कर व परिक्रमा लगाई शंकराचार्य ने

दर्शन किए। परिक्रमा मार्ग में त्यागी आश्रम जंगलेश्वर महादेव मंदिर पर दीनबंधु दास शास्त्री महाराज की अगुवाई में शंकराचार्य का स्वागत किया। शंकराचार्य सरस्वती ने जतीपुरा में गिरिराज मुखारविंद मंदिर पर पूजा अर्चन किया। इस अवसर पर भगवताचार्य रासविहारी शास्त्री, भोले पुरोहित, जितेंद्र पुरोहित, सभासद अमित गोस्वामी, धर्मेंद्र सिंह, सतीश सिंह, चंद्रभान चौधरी, माधव शर्मा, रिंकू सिंह, विनायक शर्मा, भगवान दास लंबरदार, राजेश पाठक तथा कृष्ण जन्म भूमि के वादकारी दिनेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव 17 एवं 18 मार्च को मनेगा

पत्रकारों से वार्ता में निमंत्रण पत्रिका का विमोचन करते हुए श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार के संरक्षक राजीव अग्रवाल एवं अध्यक्ष अजय अग्रवाल आदि पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा । श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार के बैनर तले खाटू श्याम जी का श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव 17 एवं 18 मार्च को मनाया जाएगा। पत्रकार वार्ता में परिवार के संरक्षक राजीव अग्रवाल एवं अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि नगर में 17 मार्च को प्रातः 9:00 बजे से खाटू श्याम की भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। यह श्याम यात्रा नगर के स्वामी घाट से प्रारंभ होकर डोरी बाजार, चौक बाजार, मंडी रामदास, डीग गेट, जन्मभूमि होते हुए खाटूश्याम मंदिर भूतेश्वर के लिए प्रस्थान करेगी। सभी भक्त बाबा को निशान चढ़ाएंगे। 17 मार्च को ही शाम को कर्मयोगी नगर टेकमैन सिटी नेशनल हाईवे 2 पर बाबा का मेहंदी का कार्यक्रम रखा गया है। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार के सचिव आलोक जैन ने बताया कि 18 मार्च को सायं 6:30 से बाबा खाटू श्याम संकीर्तन होगा। इसमें बाबा की अलौकिक छप्पन भोग, पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा व बाबा की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित की जाएगी। इसमें चुलकाना धाम महेंद्र, देवेंद्र पुजारी महाराज का सानिध्य प्राप्त होगा। कई शहरों के भजन प्रवाहक बाबा का गुणगान करेंगे। मंच का संचालन आशु शर्मा करेंगे।

इस मौके पर उपाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल कड़े वाले, सचिव आलोक जैन संगठन मंत्री सुभाष अग्रवाल, मीडिया प्रभारी उमेश भदौरिया, आय व्यय निरीक्षक राजेश अग्रवाल एवं महंत भवानी पंडित आदि उपस्थित थे।

मिलावटी गुलाल बेचने वालों के विरूद्ध हो कार्रवाई

यूनिक समय, वृंदावन। होली से पहले मंदिरों की नगरी में हो रही मिलावटी गुलाल की बिक्री में सत्ताधारी दल और व्यापार मंडल से जुड़े पदाधिकारी का नाम शामिल होने पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक बंसल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है किसी भी कीमत पर श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। प्रशासन इस मामले में कड़ी कार्यवाही करे।

गौरतलब है कि बीते दिन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुर्जा इलाके में छापामार कार्रवाई कर भारी मात्रा में मिलावटी गुलाल बरामद किया था। इस मामले में जांच के बाद कई लोगों के नाम सामने आए। इनमें लक्ष्मीनारायण सैनी, सतीश अग्रवाल, गोपाल वार्ष्णेय, गोविंद वार्ष्णेय और धर्मेंद्र के विरूद्ध पुलिस ने कार्यवाही की। इनमें लक्ष्मीनारायण सैनी सत्ताधारी पार्टी के साथ व्यापार मंडल का सक्रिय पदाधिकारी है।

विधवा माताओं की बे रंग जिंदगी में भरे रंग

वृंदावन स्थित मैत्री घर में विधवा माताओं के साथ फूलों की होली खेलते पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। गुरुवार को मैत्री घर वृद्धा आश्रम में विधवा माताओं ने सभी परंपराओं को तोड़कर एक दूसरे के साथ जमकर होली खेली। साथ ही भक्ति गीतों पर नाची।

106 वर्षीय रेणु माता ने बताया कि वे कई वर्षों से मैत्री घर मे रह रही है। मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। पति के मरने के बाद बेटों ने उन्हें निकाल दिया। वृन्दावन आने के बाद अब मैत्री घर ही उनका घर है। मैत्री घर के संस्थापक अध्यक्ष रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल भूपेंद्र सिंह एवं समाज सेविका बिन्नी सिंह ने बताया कि वर्ष 2012 में प्रारंभ हुए मैत्री घर में पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से आई महिलाएं रहती हैं। कार्यक्रम में मैत्री घर के व्यवस्थापक महेश सिंह, राधा कुंड वृद्ध आश्रम के व्यवस्थापक संतोष चतुर्वेदी, रेखा राय, शेर सिंह, गुड़िया, गौरी, राजरानी, मोनिका एवं सोनिया आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने छुराधारी को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने गांव सिहोरा की पुलिया के निकट से प्रदीप निवासी अजय नगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध छुरा बरामद किया है।

उच्च पैकेज पर चयनित राजीव एकेडमी के 31 स्टूडेंट्स

पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में देंगे सेवाएं

पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में चयनित राजीव एकेडमी के छात्र–छात्राएं।

शिक्षा संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के एमबीए और बीबीए के 31 छात्र–छात्राओं को पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में उच्च पैकेज पर जॉब का अवसर मिला है। शिक्षा पूरी करने से पहले मिले शानदार प्लेसमेंट से छात्र–छात्राएं ही नहीं उनके अभिभावक भी काफी खुश हैं।

चयनित विद्यार्थियों में एमबीए की अंजलि शर्मा, आशना अग्रवाल, अवन्तिका गोयल, दीपिका शर्मा, दीप्ति वर्मा, कुलदीप कुमार, राधिका अग्रवाल, रागिनी कुमारी, राहुल अग्रवाल, शालू माहौर, योगिता शर्मा, रिति अग्रवाल, हेमन्त सोलंकी, कृष्णा कौशिक, सचिन रावत, विनीता उपाध्याय, मनोज गुर्जर, हरिओम शर्मा, प्रीति कुमारी तथा बीबीए के अमन गौर, अंशिका, खुशी जायसवाल, कृष्णा अग्रवाल, महक अग्रवाल, समीक्षा सारस्वत, अंकित, हर्ष वार्णे अय, अनुभव त्रिवेदी, देवेन्द्र कुमार, हरेकृष्ण भारद्वाज, शुभम तिवारी आदि शामिल हैं। पूर्व कम्पनी पदाधिकारियों ने बताया कि पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप के अन्तर्गत कार्य करती है। होलसेल और रिटेल फंडिंग, रियल एस्टेट और नॉन रियल एस्टेट में सेवाएं प्रदान करती कम्पनी में 10 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं तथा इसका मुख्यालय मुम्बई (महाराष्ट्र) में है। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई दी। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने छात्र–छात्राओं से कठिन परिश्रम करने का आह्वान किया।

मछली फाटक ओवर ब्रिज पर रोंगटे खड़े करने वाला हादसा

टेंपो में बैठे युवक को मैक्स खींच ले गई

सड़क पर गिरे युवक को कुचलती हुई निकल गई

आगरा ले जाते रास्ते में युवक ने तोड़ा दाम

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मछली फाटक के ओवर ब्रिज पर टेंपो में सवार एक युवक को साइड से निकलता मैक्स चालक खींचता हुआ ले गया और युवक को कुचलता हुआ निकल गया। इस घटना को देख लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए आगरा रैफर कर दिया गया है। आगरा जाते समय फरह के समीप युवक ने दम तोड़ दिया।

गुरुवार को मछली फाटक पुल पर सड़क हादसे को देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। टेंपो में आगे बैठे युवक को सामने से आई मैक्स अपने साथ खींचकर ले गई और कुचलते हुए निकल गई। हुआ यूं कि जमुनापार थाना क्षेत्र के रामनगर का रहने वाले अंकित उर्फ अन्नू गुरुवार को बहन के लिए पुराना मोबाइल खरीदने के लिए साथी अजय के साथ बाजार आया था।

मोबाइल खरीदने के बाद वापस घर के लिए टेंपो से लौट रहे थे। टेंपो में पीछे की सीट पर चार लड़कियां और आगे की सीट पर एक युवक बैठा था। टेंपो चालक ने अंकित और अजय को आगे बैठा लिया। दोपहर डेढ़ बजे मछली फाटक पुल पर सामने से आ रही तेज रफ्तार मैक्स के चालक ने गाड़ी को टेंपो से सटाकर निकाला। ड्राइवर के सीधे हाथ पर सवार अंकित के पैर टेंपो से बाहर निकल रहे थे।

अंकित मैक्स में फंस गया चालक ने गाड़ी को रोका नहीं और सड़क पर गिरे युवक को रौंदते हुए निकल गया। खून से लथपथ अंकित सड़क पर बेसुध पड़ा था। घटना के बाद आसपास के लोगों ने टेंपो में घायल को लिटाकर अस्पताल भेजा। सूचना पर उसके परिवारीजन भी रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। घायल अंकित की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे आगरा रेफर कर दिया।

सोशल मीडिया पर अश्लील वेबसीरीज पर रोक लगाने की मांग

यूनिक समय, वृन्दावन। सनातन धर्म से जुड़ी पांच माँगों को लेकर दिल्ली में आयोजित 'सनातन संत संसद' का सरकार ने संज्ञान लिया है। आयोजन में ओटीटी प्लेटफार्म एवं सोशल मीडिया हेण्डलों पर अश्लील चलचित्र, वेबसीरीज रोकने की माँग प्रमुखता से उठाई गयी थी। इस पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने अश्लील सामग्री दिखाने वाले तीन दर्जन से अधिक ओटीटी प्लेटफार्म एवं वेबसाइटों को प्रतिबंधित कर दिया है। निर्णय पर देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज ने खुशी जताई है।

धड़ल्ले से दौड़ते हैं आगे तीन सवारियों को बिठाकर टेंपो व ई रिक्शा

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा है ही तीन लोक से न्यारी है। यहां हर चीज निराली है। यही वजह है यहां चालक ओवरलोड सवारियां बिठाकर चलाना अपना अधिकार समझते हैं। यही कारण है कि सड़कों पर टेंपो और ई-रिक्शा बेलगाम दौड़ रहे हैं, जबकि जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर अधिकारी इस ओर ध्यान देते तो शायद अंकित की जान न जाती।

सवारियों को टेंपो में ठूंस-ठूंस कर शहर के विभिन्न चौराहों से निकल रहे हैं। पुलिस की पिकेट होने के बाद भी न ही ओवरलोड सवारियों से भरे टेंपो रोके जा रहे हैं और न ही कोई कार्रवाई की जा रही है। ऐसे में जगह-जगह हादसे की आशंका बनी रहती है। ट्रैफिक पुलिस चौराहों पर केवल बाइक और बाहर से आने वाली कारों पर ही नजर रहती है। इस तरह के वाहनों को चलने के लिए पूरी छूट दिखाई देती है। इस बारे में टीआई शौर्य कुमार का कहना है कि टेंपो में आगे तीन सवारियां बैठाने पर लगातार कार्रवाई की जाती है। अब कार्रवाई को और तेज करेंगे, ताकि किसी हादसे की आशंका न रहे।

निधन पर शोक

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष छगनलाल वर्मा के पिता मनोहर लाल वर्मा के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। शोक व्यक्त करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष डा.के.के.वर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ वर्मा, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश वर्मा पलसो वाले, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा, जिलाध्यक्ष आगरा प्रदीप वर्मा एवं गोपेश सोनी आदि थे।

विधानसभा क्षेत्र में तीन करोड़ रुपये के कार्यों का किया शुभारंभ

बीएसए कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाएंगे : श्रीकांत

विधायक निधि के कार्यों का लोकार्पण करते विधायक श्रीकांत शर्मा, साथ में बीएसए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा आदि।

कॉलेज में प्रकाश पादुकोण इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम का लोकार्पण

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बाबू शिवनाथ अग्रवाल महाविद्यालय में आधुनिकतम नवनिर्मित प्रकाश पादुकोण इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम व एक आरओ प्लांट का शुभारंभ पूर्व ऊर्जा मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा ने किया। इस इंडोर स्टेडियम में नव निर्मित कुल पांच बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण विधायक निधि व जनभागीदारी से कराया गया है। श्री शर्मा ने कहा कि बीएसए महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाना उनका प्रयास होगा।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. प्रो. आशु रानी ने वर्चुअल संबोधित किया। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के चांसलर केके गौतम, डीटीसी के पूर्व निदेशक वी के गौतम तथा पूर्व सीडीओ आरएस गौतम ने अपने अनुभव साझा किए। लंदन से आये असित सिन्हा ने कहा कि उनके द्वारा कॉलेज में डिजीटल लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा। प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल, डॉ. अमिताभ पांडे, गिरधारी खण्डेलवाल, डॉ. गौरव भारद्वाज, एस के शर्मा, प्रो. एसके सिंह, सोहन लाल शर्मा एडवोकेट, ओ पी उपाध्याय एडवोकेट, गजेंद्र शर्मा, फतेह कृष्ण, सुखवीर सिंह नोहवार, महावीर सिंह विधूड़ी, अनुज गर्ग, इंजीनियर नीरज गर्ग तथा अंकित सहगल उपस्थित रहे। संचालन डॉ. बीके गोस्वामी ने किया।

चौकी इंचार्ज की शिथिलता पर लोगों में आक्रोश

आधा दर्जन से अधिक हुई चोरियों का खुलासा नहीं

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील के जटपुरा मोड़ पर व्यवसाय करने वाले व्यापारियों ने चौकी इंचार्ज कोलाहर की शिथिलता को लेकर एसएसपी से शिकायत करते हुए उन्हें हटाए जाने की गुहार लगाई है। आधा दर्जन से अधिक हुई चोरी की वारदातों में से किसी भी घटना का खुलासा नहीं किया गया है। अपराधियों का इलाके में बोल-बाला है।

जटपुरा मोड़ चौराहे पर काफी दुकान हैं। इसके साथ ही जटपुरा मोड़ चौराहे से एक किलो मीटर की दूरी पर कोलाहर गांव में पुलिस चौकी है। चौराहे पर एक साल में चोरों ने करीब सात दुकानों और प्रतिष्ठानों को अपना निशाना बनाकर लाखों का माल पार कर दिया। चोरों की करतूत वहां लगे सीसी टीवी कैमरों में भी कैद हैं। इस इलाके में अपराधियों का आतंक बना हुआ है। चौकी प्रभारी कोलाहर इन घटनाओं में से एक भी घटना का खुलासा नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही इन मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई तक नहीं की गई है। केवल पीड़ितों को यह कहकर टाल देते हैं कि हम लगे हुए हैं। हम जल्द ही बदमाशों को पकड़ लेंगे। चौकी ईंचार्ज की कार्यशैली से स्थानीय लोग काफी दुखी है। बदमाश खुले आम एक के बाद घटना को इस इलाके में अंजाम दे रहे हैं। परेशान होकर वहां के लोगों ने एसएसपी कार्यालय आकर चौकी इंचार्ज को हटा कर किसी तेज तर्रार दरोगा को चौकी पर भेजने और चोरी की घटनाओं में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

चौमुहां पशु चिकित्सालय पर वैज्ञानिक जागरूकता शिविर

पशु पालकों को मुफ्त वितरित की दवाओं की किट

संवाददाता

यूनिक समय, चौमुंहा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान के भैषज्य एवं विष विज्ञान विभाग ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित एससी एसपी उपघटक के अंतर्गत कुलपति प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए चौमुहां पशु चिकित्सालय पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

पशुपालक को दवाओं की किट वितरित करते मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन कुमार गर्ग व चौमुहां पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितिन कुमार, डॉ. आलोक।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक तकनीक से घरेलू पशुओं की स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में वृद्धि एवं निरोग पशु एवं उन्नत किसान हेतु घरेलू चिकित्सीय ज्ञानः एक आधुनिक पहल विषयों पर किसानों को जागरूक किया गया। इसमें मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन कुमार गर्ग ने अनुसुचित जाति के 40 पशुपालकों को दो जागरूकता कार्यक्रमों में दवाओं, सैनिटाइजेशन किट, वैज्ञानिक साहित्य एवं मिनरल मिक्सचर का वितरण किया।

प्रमुख समन्वयक डॉ. अतुल प्रकाश, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. आलोक चौधरी एवं पशुपालन विभाग से डॉ. नितिन यादव, डॉ. धर्मेन्द्र कटेरिया, डॉ. लोकेश शर्मा, गुलाब सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

पाइप लाइन के लिए खुदाई के दौरान भरभरा कर गिरा मकान

नौ माह की मासूम की मौत, मां घायल

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना खेरागढ़ क्षेत्र के गांव ऊंटगिरी में पाइप लाइन डालते समय बड़ा हादसा हो गया। खुदाई करते समय एक मकान ढह गया। मकान के मलबे में मां और उसकी नौ महीने की बेटी दब गई। लोगों ने दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बच्ची की मौत हो गई और मां की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार गांव ऊंटगिरी में पाइप लाइन डाली जा रही थी। दोपहर एक बजे करीब खुदाई के दौरान गांव के ही रहने वाले अमित का मकान भरभराकर गिर गया। मकान में उस समय अमित की पत्नी सलोनी और नौ साल की बच्ची सोनाक्षी थी। मकान गिरने के बाद क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। मलबे में दबी मां बेटी को बचाने के लिए लोग जुट गए। मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल भेजा गया। इधर सूचना पर पुलिस भी आ गई। डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया और उसकी मां सलोनी गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ई वेस्ट जागरूकता कार्यशाला

ए. एस. एम. पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते स्टूडेंट्स।

यूनिक समय, मथुरा। हुमना पीपल टू पीपल इंडिया एवं सहयोगी कंपनी करो संभव प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से ए. एस. एम. पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित जागरूकता कार्यशाला में पर्यावरण पर ई वेस्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रभाव पर प्रकाश डाला। इस बात पर जोर दिया गया कि वे जलवायु और मिट्टी दोनों के प्रदूषण में कैसे योगदान करते हैं। प्रतिभागियों को घरों और संस्थाओ से अपने ई–कचरे को पुनः उपयोग के लिए हमारे रीसाइक्लिंग प्लेटफॉर्म पर भेजने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे मानव जीवन को लाभ होगा। कार्यक्रम में 150 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। परियोजना अधिकार निर्भय सिंह ने ई–वेस्ट कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में बताया। छात्रों को ई–कचरे से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण और रीसाइक्लिंग प्रयासों में योगदान करने की सामूहिक जिम्मेदारी के बारे में शिक्षित किया गया। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार शर्मा, रितिका, दामोदर एवं सुरेश आदि मौजूद थे।

सिम्स हॉस्पिटल में केक काटकर मनाया गया विश्व किडनी दिवस

किडनी दिवस पर केक काटते डॉक्टर्स।

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सिम्स हॉस्पिटल में विश्व किडनी दिवस मनाया गया। नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग को एक वर्ष पूर्ण होने पर एक निःशुल्क किडनी जाँच शिविर लगाया। किडनी कैम्प में मरीजों को निःशुल्क परामर्श, पैथ–लैब जाँचों पर 50% की छूट, बी.एम.सी, आहार परामर्श एवं डाइट चार्ट निःशुल्क दिये गये। नेफ्रोलॉजी विभाग की पूरी टीम ने किडनी दिवस पर केक काटकर किडनी दिवस मनाया। नेफ्रोलॉजी विभाग के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार डॉ. आशीष शर्मा ने सिम्स हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग में लगाए निःशुल्क किडनी कैम्प पर प्रकाश डाला। शिविर में मथुरा–वृन्दावन के साथ जयपुर, भरतपुर, राया, हाथरस, अलीगढ़ से आकर किडनी मरीजों ने कैम्प का लाभ उठाया। सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि हॉस्पिटल में आने वाले सभी मरीजों को विश्वस्तरीय इलाज देना हमारी प्रथम प्राथमिकता है।

मथुरा के निशांत बने भारत सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अपने स्थाई अधिवक्ताओं (स्टैंडिंग कौंसिल), पैनल काउंसिल एवं गवर्नमेंट प्लीडर की सूची जारी की है।

विधि मंत्रालय की ओर से जारी सूची में मथुरा के निशांत गौतम को भी सेंट्रल गवर्नमेंट स्टैंडिंग काउंसिल नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों की ओर से वे अब सरकार की पैरवी किया करेंगे। मूलरूप से मथुरा के रहने वाले निशांत गौतम ने प्रारंभिक शिक्षा मथुरा से करने के बाद पिलानी एवं गुड़गांव से स्कूली शिक्षा पूरी की ।

पुणे से वकालत की पढ़ाई करने के बाद वे दस साल से दिल्ली में अपनी लॉ फर्म ट्रायम्फ लीगल चला रहे हैं और करीब 40 से अधिक कंपनियों के लिए विभिन्न विधिक सेवाएँ फर्म के द्वारा मुहैय्या करवा रहे हैं। उनके द्वारा शुरू की गई फर्म ने तेज़ी से प्रगति की है और दिल्ली मुम्बई एवं जबलपुर में फर्म के ऑफिस हैं। निशांत के पिता स्व. राधे श्याम गौतम शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी, विश्व हिन्दू परिषद के नेता एवं समाजसेवी थे। उनकी माता जी आज भी मथुरा में रहती हैं । वे स्वयं दिल्ली उच्च एवं उच्चतम न्यायालय में प्रैक्टिस करते हैं। सूची में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के पुत्र श्री रोहन जेटली, अधिवक्ता ईशकरण सिंह भंडारी, सिद्धार्थ शंकर रे एवं अमित तिवारी का भी नाम है।

भाकियू चढूनी के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम मांट को सौंपा ज्ञापन

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। भारतीय किसान यूनियन चढूनी के तहसील अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह पवार ने किसानों की समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत विवावाली लेखपाल द्वारा भूमि माफियाओं से मोटी रिश्वत लेकर उनको संरक्षण दिया जा रहा है। किसानों मजदूरों पर फर्जी मुकदमें लगाए जा रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि एक सप्ताह के अंदर किसानों पर लगे फर्जी मुकदमे तहसीलदार द्वारा वापस नहीं लिए जाते हैं और लेखपाल अजय कुमार के खिलाफ कार्यवाही नहीं की जाती है तो भारतीय किसान यूनियन चढूंनी तहसील मांट का घेराव कर धरना प्रदर्शन करेगी। इस मौके पर प्रेमपाल सिंह पवार, महाराज सिंह पवार आदि मौजूद थे।

20 से 22 मार्च तक गोंडा में होने वाली यू 15, यू 20 स्टेट चैंपियनशिप के लिए जिला कुश्ती संघ की ओर से ट्रायल बी एस ए कॉलेज में शुभारंभ शुरु हो गया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय, जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, जिला महासचिव जनार्दन पहलवान एवं कुश्ती कोच विनोद यादव पहलवानों के हाथ मिलवाते हुए।

मुख्य डाक घर के गेट नंबर दो पर भरे पानी से लोग परेशान

मुख्य डाकघर के गेट नंबर दो के सामने भरा पानी का नजारा।

अधिकारियों ने गेट नंबर एक पर लगा रखा है ताला

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य डाक घर के एक गेट को बंद कर दिए जाने और दूसरे गेट के रास्ते में पानी भरे होने की वजह से पोस्ट ऑफिस में आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सिविल लाइन स्थित मुख्य डाक घर में बड़ी संख्या में लोग रोजाना आते हैं। डाक घर में दो गेट हैं। गेट नंबर एक मुख्य गेट है। इसका एक दूसरा गेट भी है। दोनों गेट मुख्य सड़क से जुड़े हैं। डाक घर के अधिकारियों ने गेट नंबर एक पर ताला लगा कर उसे आवागमन के लिए बंद कर दिया है। वर्तमान में गेट नंबर दो से ही सभी लोग डाक घर में अपने कामों के लिए आते हैं। गेट नंबर दो पर गंदा पानी भरा होने के कारण लोगों को प्रवेश करने में काफी परेशानी हो रही है। पैदल चलने वालों को किसी तरह पानी से बचकर निकलना पड़ रहा है। इसके साथ ही बाइक आदि भी पानी से होकर निकल रही है। डाक घर अपने काम से आए लोगों ने गेट नंबर दो पर भरे गंदे पानी को निकलवाने के साथ–साथ गेट नंबर एक को भी खोले जाने की मांग की है।

आणविक एवं जैव सूचना विज्ञान पर प्रशिक्षण शिविर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम में आणविक एवं जैव सूचना विज्ञान पर चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें सात राज्यों से आए हुए 23 मास्टर्स विद्यार्थियों एवं पी.एच.डी स्कोलर्स ने भाग लिया। शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कमार चेटली ने किया। संस्थान के निदेशक ने पशुधन सुधार और मांस की गुणवत्ता में प्रोटिऔमिक्स तकनीकियों की महत्वता के बारे में व्याख्यान दिया। अतिथि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. आदित्य आर्य ने पशुधन में आनुवांशिकी सुधार के लिए डी.एन.ए आधारित आणविक मार्करों के चयन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया । प्रशिक्षणार्थियों ने आर.टी.पी.सी.आर का उपयोग करके कोविड –19 नमूनों का निष्कर्ण और रोज जनक का पता लगाने हेतु प्रयोगात्मक कार्य सीखा। इस व्यावहारिक प्रयोग को डॉ. आदित्य आर्य के साथ डॉ. राकेश कौशिक एवं स्नेहा सिंह ने प्रदर्शित किया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुसचूति जाति विकास कार्यक्रम योजना के अंतर्गत संस्थान के अनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग में आयोजित किया गया ।

केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने आए मास्टर्स विद्यार्थी।

उद्घाटन सत्र के दौरान परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. गोपाल दास ने परियोजना का उद्देश्य व अनुसूचित जाति के विकास के लिए चल रही गतविधियों से अवगत कराया। इस मौके पर पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली, पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. गोपाल दास, डॉ. के. गुरूराज, डॉ. अरविन्द कुमार, डॉ. राकेश कौशिक व पशु आनुवांशिकी प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

धूम्रपान छोड़ने में मिलेगी मदद

सिगरेट की लत से हैं परेशान तो आजमाएं ये आसान उपाय

यूनिक समय, मथुरा। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, धूम्रपान छोड़ने की प्रक्रिया थोड़ी लंबी होती है और इस दौरान थोड़ी समस्या होना आम बात है। इसलिए आपको एकदम की बजाए धीरे-धीरे सिगरेट छोड़ने की सलाह दी जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आपको धूम्रपान छोड़ने में मदद मिलेगी।

यह बात तो हम सभी जानते हैं कि धूम्रपान करना हमारी सेहत के लिए कितना हानिकारक होता है। लेकिन कई लोग चाहकर भी अपनी धूम्रपान की आदत नहीं छोड़ पाते हैं। कई लोग इस आदत से छुटकारा पाने की कोशिश भी करते

लेकिन स्मोकिंग छोड़ने से उन्हें वजन बढ़ना, नींद न आना, कमजोरी आना, भूख, गुस्सा, तनाव होना और किसी कार्य में ध्यान न लगना या फिर बैचेनी महसूस होने जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं इस डर की वजह से वे चाह कर भी धूम्रपान करना नहीं छोड़ पाते हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, धूम्रपान छोड़ने की प्रक्रिया थोड़ी लंबी होती है और इस दौरान इस तरह की समस्या होना आम बात है। इसलिए आपको एकदम की बजाए धीरे-धीरे सिगरेट छोड़ने की सलाह दी जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिनकी मदद से आपको धूम्रपान छोड़ने में मदद मिलेगी –

दालचीनी

अगर आप स्मोकिंग की आदत से छुटकारा पाना चाहते हैं तो दालचीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में आपको जब भी सिगरेट की तलब लगे तो आप दालचीनी का एक टुकड़ा अपने मुँह में रख लें। इससे धीरे-धीरे आपकी स्मोकिंग की लत छूट जाएगी।

अजवाइन

अजवाइन की मदद से भी आप अपनी स्मोकिंग की लत से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए जब भी आपका सिगरेट पीने का मन करे तो आप अजवाइन को अपने मुँह में रख लें। अजवाइन के बीज चबाने से आपको स्मोकिंग की आदत छोड़ने में मदद मिलेगी।

शहद

अगर आप सिगरेट की लत छोड़ना चाहते हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। शहद में विटामिन, एंजाइम और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो धूम्रपान की लत छोड़ने में मददगार साबित हो सकते हैं। स्मोकिंग की आदत से छुटकारा पाना चाहते हैं तो शहद का सेवन करें।

अश्वगंधा और शतावरी

अश्वगंधा और शतावरी बहुत ही कारगर जड़ी बूटियां हैं, जिनका इस्तेमाल आयुर्वेद में कई रोगों के इलाज के लिए किया जाता है। धूम्रपान करने से शरीर में कई विषाक्त पदार्थों का जमाव होने लगता है। ऐसे में अश्वगंधा और शतावरी जैसी जड़ी बूटियों से शरीर से इन जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

पान के पत्तों से होने वाले फायदे हैं बड़े दिलचस्प

यूनिक समय, मथुरा। पान का पत्ता दिखने में हरा-भरा और खाने में भी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य संबंधी समस्या के लिए अच्छे होते हैं। मुंह पकने पर लगाने के अलावा इसके और भी कई फायदे हैं तो चलिए जानते हैं इसके बारे में...

पान का पत्ता सेहत के लिए फायदेमंद

पान का पत्ता सेहत के लिए औषधीय गुणकारी माना जाता है। इसमें डायबिटीज, कैंसर, जलन से बचने जैसे गुण पाए जाते हैं। ऐसे में पान पत्ते का सेवन बहुत जरुरी माना जाता है। पुराने समय से ही पान के पत्ते का इस्तेमाल औषधि बनाने के लिए किया जाता है।

खुजली से राहत

खुजली से राहत पाने के लिए पान का पत्ता इस्तेमाल करें। आप नहाने के पानी में पान के पत्ते का रस निकालकर डाल सकती हैं। इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी गुण खुजली से राहत दिलाने में असरदार साबित होंगे।

मुंह की गंध से राहत

मुंह से आने वाली गंध से छुटकारा पाने के लिए आप पान के पत्ते को चबा सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले तत्व सांसों में आने वाली गंध से छुटकारा दिलाते हैं। खाने के बाद एक बार पान पत्ता चबाएं। इससे सांसों को ताजगी महसूस होगी और आपके मुंह से आने वाली दुर्गंध से भी निजात मिलेगा।

बालों का झड़ना करे कम

बालों का झड़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। इससे बचने के लिए हम कई तरह के आयुर्वेदिक उपचार करते हैं। लेकिन एक घरेलु और आसान तरीका यह भी है कि आप पान से बना पेस्ट अपने बालों पर लगा सकती हैं। इससे बालों को पोषण मिलता है।

मुहांसों से मिले राहत

चेहरे पर मुंहासे खूबसूरत पर दाग की तरह ही लगते हैं। आप इससे बचने के लिए पान के पत्ते से बना लेप अपने मुंह पर लगा सकते हैं। इससे आपके चेहरे पर हो रहे मुहांसों से निजात मिलेगी।

पाचन में भी सहायक

पान का पत्ते का सेवन करने से शरीर का पाचन तंत्र बिल्कुल सही रहता है।

यह सैलिवरी ग्लैंड से लार बनाने में मदद करता है। जिसके कारण खाना पचाने में आसानी होती है और कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है।

सर्दी-ज़ुकाम को दूर रखेगा चीकू, मिलेंगे गजब के फायदे

यूनिक समय, मथुरा। चीकू खाने में टेस्टी होने के साथ गुणों की खान होता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल आदि गुण होते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार इसका सेवन करने से इम्यूनिटी तेजी से बूस्ट होती है। हड्डियों में मजबूती आने के साथ वजन कम करने में मदद मिलती है। चलिए जानते हैं चीकू खाने के लाजवाब फायदे...

कैंसर से बचाव: चीकू में विटामिन ए, बी, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल आदि गुण होते हैं। इसका सेवन करने से ये शरीर में कैंसर के सेल्स पनपने से रोकता है। ऐसे में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव रहता है।

सर्दी-खांसी से बचाएं: चीकू एंटी-वायरल, एंटी-परसिटिक, एंटी-बैक्टीरियल आदि गुणों से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से जो शरीर में बैक्टीरिया नहीं आते हैं। इसके साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करते हैं। ऐसे में सर्दी, खांसी, जुकाम आदि से बचाव रहता है।

पाचन तंत्र करें मजबूत: चीकू खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है। इसमें फाइबर अधिक होने से कब्ज की समस्या से आराम रहता है। इसके साथ पेट से जुड़ी अन्य समस्याओं से भी बचाव रहता है।

गुर्दे की पथरी से दिलाए छुटकारा : एक्सपर्ट के अनुसार, चीकू फल के बीज को पीस कर खाने से गुर्दे की पथरी यूरिन के जरिए निकल सकती है। इसके अलावा इसका सेवन करने से किडनी स्वस्थ रहती है।

थकान, कमजोरी करे दूर : चीकू में ग्लोकोड होने से यह शरीर को एनर्जी देता है। एक्सरसाइज करने व जिम जाने वाले लोगों को रोजाना चीकू खाना चाहिए।

आंखों के लिए फायदेमंद :विटामिन ए से भरपूर चीकू खाने से आंखे स्वस्थ रहती है। इससे आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

दांत करे मजबूत: इसमें लेटेक्स की मात्रा अधिक होती है। ऐसे में दांतों की कैविटी को भरने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

तनाव करे कम: एक्सपर्ट अनुसार, चीकू दिमाग शांत व तनाव कम करने का काम करता है।

हड्डियां होंगी मजबूत: कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन आदि पोषक तत्वों से भरपूर चीकू खाने से हड्डियां मजबूत होती है। ऐसे में बच्चे से बड़ों तक हर किसी को इसका सेवन करना चाहिए।

आधुनिक लाइफस्टाइल से स्वास्थ्य पर हो रहा है यह असर

बेहद आम हो गई हैं ये जानलेवा बीमारियाँ

यूनिक समय, मथुरा। हमारी मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण हमारे खानपान और रहन-सहन का ढंग बदल गया है। इसकी वजह से कई गंभीर बीमारियां आम हो गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में 30 से 69 की उम्र के 14.2 मिलियन लोग हर साल हार्ट अटैक, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं।

आधुनिक समय में तकनीकी विकास के साथ जीवन भी तेजी से बढ़ रहा है। इससे हमारा जीवन तो आसान हो गया है लेकिन इसका हमारे स्वास्थ्य पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। खराब लाइफस्टाइल, खानपान की गलत आदतें, शराब और सिगरेट का सेवन और तनाव से हमारे शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव हो रहा है। हमारी मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण हमारे खानपान और रहन-सहन का ढंग बदल गया है। इसकी वजह से कई गंभीर बीमारियां आम हो गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनियाभर में 30 से 69 की उम्र के 14.2 मिलियन लोग हर साल हार्ट अटैक, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं। आज के इस लेख में हम आपको आधुनिक जीवनशैली से होने वाली 5 गंभीर बीमारियों के बारे में बताएंगे –

दिल की बीमारियाँ

आजकल की आधुनिक जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों के कारण दिल की बीमारियों का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया है। आज के समय में बुजुर्ग नहीं कम उम्र के लोग भी हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। खान पान की खराब आदतें, सुस्त जीवन शैली, शराब और सिगरेट का सेवन, अत्यधिक स्ट्रेस के कारण दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

मोटापा

आज के समय में मोटापा एक बेहद आम और खतरनाक समस्या है। इसका मुख्य कारण है हमारी आधुनिक जीवनशैली। मोटापा अपने साथ साथ कई अन्य गंभीर बीमारियां भी लेकर आता है। असंतुलित भोजन, जंक फूड का ज्यादा सेवन और सुस्त जीवनशैली के कारण लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं।

डायबिटीज

भारत में बड़ी संख्या में लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं। जहां पहले यह बीमारी बड़े बुजुर्गों में ही सुनने को मिलती थी। वहीं, आज बच्चे भी डायबिटीज का शिकार हो रहे हैं। मोटापा, धूम्रपान, खानपान की गलत आदतें और अस्वस्थ जीवनशैली के कारण डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

हाई ब्लड प्रेशर

आधुनिक लाइफस्टाइल के कारण हाई बीपी की समस्या बेहद आम हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में करीब 100 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझ रहे हैं। मोटापा, गलत खानपान, शराब का सेवन और तनाव ब्लड प्रेशर के मुख्य कारक हैं। हाई बीपी के कारण दिल की बीमारी का खतरा भी अधिक रहता है।

मानसिक बीमारियाँ

आज के समय में हर व्यक्ति अच्छी लाइफस्टाइल जीना चाहता है। इसके लिए लोग दिन भर काम करते हैं। आजकल की भागती दौड़ती जीवनशैली में लोगों का स्ट्रेस लेवल काफी हाई हो गया है। आज की आधुनिक लाइफस्टाइल के कारण बड़ी संख्या में लोग डिप्रेशन, एंजाइटी और स्ट्रेस जैसी मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं।

सम्पादकीय

बराबरी के अधिकार की दिशा में सकारात्मक पहल

संतान की परवरिश में माता–पिता दोनों का समान योगदान होता है। यदि व्यक्ति के सरकारी दस्तावेज में माता–पिता दोनों का ही नाम हों तो नारी सम्मान का भाव स्वतः ही पैदा हो जाता है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए जिसमें उसने सभी सरकारी दस्तावेजों में मां का नाम भी अनिवार्य रूप से लिखने का फैसला किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह पहल न सिर्फ दूसरों के लिए अनुकरणीय होगी बल्कि महिलाओं का सामाजिक रूप से सम्मान बढ़ाने वाली भी होगी।

पवन गौतम
संपादक

महाराष्ट्र सरकार ने पिछले दिनों महिला दिवस के मौके पर राज्य की नई महिला नीति घोषित की है। इस नीति में ही यह तय किया गया कि सरकारी दस्तावेज में अभिभावक के रूप में पिता के साथ–साथ माता का नाम लिखना भी अनिवार्य होगा। राज्य कैबिनेट ने भी इस पर मुहर लगा दी है। देखा जाए तो समय में बदलाव के साथ ही समाज में महिलाओं को लेकर सोच में भी बदलाव हुआ है। इस बदलाव के दौर में सरकारी स्तर पर ऐसे फैसले होते हैं तो महिला अधिकारों को और मजबूत करने की सोच बनती है। पिछले एक दशक के दौरान कई अदालती फैसलों में कहा गया है कि सरकारों को नियमों में बदलाव कर लोगों के आधिकारिक दस्तावेजों में अभिभावक के कॉलम में मां के नाम का उल्लेख करना चाहिए। इसके बावजूद अब भी कई प्रकरणों में बच्चों के सरकारी दस्तावेजों में माताओं का नाम दर्ज करना मुश्किल कार्य लगता है। हाल ही एक ऐसे ही मामले में यूजीसी के सर्कुलर के बावजूद दिल्ली की एक छात्रा के अभिभावक के रूप में मां का नाम नहीं लिखा गया। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने छात्रा की डिग्री व प्रमाण पत्रों में पिता के साथ मां का नाम दर्ज करने का फैसला सुनाया। चिंता इसी बात की है कि रूढ़िवादी सोच के कारण देश में मां का नाम जुड़वाना पहचान और बराबरी के लिए सदैव संघर्ष का हिस्सा रहा है। बेटा और 'वंश प्रवर्तक' शब्द अब भी भारतीय समाज में अहम माने जाते हैं। हालत यह है कि किसी भी स्तर के आवेदन में सबसे पहले आवेदक से पिता का नाम ही पूछा जाता है। फिर मां की बारी आती है। अधिकांश में तो माता का जिक्र ही नहीं होता।

सवाल यही है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं तो उनके साथ दोहरा बर्ताव क्यों किया जा रहा है? इसमें कोई दोराय नहीं कि एक मां अपने बच्चे के लिए बहुत त्याग करती है। बड़े होने तक बच्चे की सार–संभाल करने में मां की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। ऐसे में बच्चे की पहचान भी माता–पिता दोनों के नाम से होनी चाहिए।

नजरिया

सीएए का विरोध करने वाले लोग मानवता के विरोधी प्रतीत हो रहे हैं

डॉ. आशीष वशिष्ठ

यह कानून किसी की नागरिकता का हनन नहीं कर रहा बल्कि वंचितों को कानूनन अधिकार दे रहा है। यह अधिनियम किसी को बुलाकर भी नागरिकता नहीं दे रहा बल्कि जिन्होंने 31 दिसंबर 2014 तक भारत में प्रवेश कर लिया वे ही भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

बीते दिनों नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए देश में लागू हो गया है। इस कानून की प्रतीक्षा लंबे समय से थी। 2019 में मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम संसद से पास किया था। जनवरी 2020 में राष्ट्रपति की मुहर लगने के साथ यह कानून अस्तित्व में आ गया था। सीएए को लेकर देश भर में विरोध–प्रदर्शन हुआ था। केंद्र सरकार ने देशभर में एनआरसी लागू करने की बात कही थी। एनआरसी के तहत भारत के नागरिकों का वैध दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्रेशन होना था। सीएए के साथ एनआरसी को मुसलमानों की नागरिकता खत्म करने के रूप में देखा गया था।

इस कानून को लागू किए जाने को लेकर एक तरफ खुशी का माहौल है तो दूसरी ओर विरोध के स्वर भी सुनाई दे रहे हैं। खुशी उन लोगों को है जो बरसों से भारत की नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे थे। इस कानून के लागू होने के बाद उनकी दशकों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। विरोध करने वाली जमात में मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दल और स्वयंसेवी संगठन हैं। राजनीतिक दल व संगठन इसे पूर्व की भांति तरह अल्पसंख्यक विरोधी बता रहे हैं, वहीं इसे राजनीतिक दांव भी बता रहे हैं।

सीएए लागू होने के बाद विपक्षी दल इस कानून को लेकर देशवासियों को खासकर मुस्लिम समुदाय को भ्रमित कर रहे हैं। असल में, आजादी के बाद से ही अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों की समूची मानसिकता राजनीतिक दलों और उनके संरक्षक बनने का दावा करने वाले स्वयंसेवी संगठनों के ही समझ के अनुसार चलती रही है। सीएए के खिलाफ उठे देशव्यापी विवाद को भी इसी श्रेणी में रखा जा सकता है। विपक्ष अपने बयानों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय को यह संदेश दे रहा है कि इस कानून से उनकी नागरिकता संकट में पड़ जाएगी। सरकार और जिम्मेदार पदों पर आसीन लोग इस कानून से जुड़ी तमाम आशंकाओं को दूर कर रहे हैं। लेकिन, विपक्ष मुस्लिम समुदाय को गलत जानकारी देकर उपद्रव और हिंसक प्रदर्शनों के लिए परोक्ष रूप से उकसाता दिखाई दे रहा है। 2020 में विपक्ष ने परोक्ष रूप से कानून के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों और उपद्रव में सहायता की थी। ये खुला तथ्य है। नागरिकता संशोधन नियम लागू होने के बाद अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में आए थे, उन्हें भारतीय नागरिकता बिना वैध पासपोर्ट और भारत के वीजा के बिना मिल सकती है। दरअसल, ये लोग उन देशों में अल्पसंख्यक हैं। जाने किस त्रास या संकट में उन्हें उन देशों को छोड़ कर आना पड़ा। यहां के नागरिक न होते हुए भी दिक्कतों, मुसीबतों को गले लगाकर यहां जीवन बिताना पड़ रहा है। इसलिए इन सबको नागरिकता देकर यहां यानी भारत में सम्मान दिए जाने के इरादे से यह कानून लाया गया है। ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो विपक्ष इसका विरोध क्यों कर रहा है?

विपक्ष का कहना है कि इस कानून में खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है। इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है। जहां तक विपक्ष के विरोध का सवाल है उसका कहना है कि इस कानून में मुस्लिमों को वंचित क्यों रखा गया? यह समानता के कानून का उपहास उड़ाने की तरह है।

सरकार का कहना है कि जिन देशों के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया जा रहा है, वहां मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं। इसलिए उन्हें इस देश में यानी भारत में नागरिकता देने का कोई मतलब नहीं है। वो उनके देश हैं, वे वहां खुशी से रहें। भारत सरकार वंचितों की मदद करना चाहती है, इसलिए इन तीनों देशों के वे गैर मुस्लिम नागरिक जो वर्षों पहले यहां आ गए थे उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। इसमें गलत क्या है? लेकिन अब विपक्ष के इस विरोध की सच्चाई और इसके पीछे छिपी कुत्सित इरादे देशवासियों को समझ आने लगे हैं। यह कानून किसी की नागरिकता का हनन नहीं कर रहा बल्कि वंचितों को कानूनन अधिकार दे रहा है। यह अधिनियम किसी को बुलाकर भी नागरिकता नहीं दे रहा बल्कि जिन्होंने 31 दिसंबर 2014 तक भारत में प्रवेश कर लिया वे ही भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम बड़े मंत्री और जिम्मेदार लोग इस बात को कई बार कह चुके हैं कि सीएए नागरिकता देने का कानून है, किसी की नागरिकता छीनने का नहीं।

असल में, मोदी सरकार के दस सालों के कार्यकाल में देश में बड़े परिवर्तन और काम हुए हैं। देश की जनता का भरोसा मोदी की गारंटी पर है। दस साल के कार्यकाल के बाद भी पीएम मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। मोदी सरकार की लोकप्रियता और देशवासियों के उसके प्रति विश्वास से विपक्ष में बेचैनी का माहौल है। ऐसे में कुंठित और मुद्दा विहीन विपक्ष जात पात की राजनीति और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा किसी मुद्दे की तलाश में रहता है।

चार साल पहले सीएए कानून बनने के बाद पर्दे के पीछे रहकर विपक्ष दलों ने मुस्लिम समुदाय को भ्रमित कर भड़काया था। नतीजतन देश में अशांति और भय का माहौल बना। हिंसक प्रदर्शनों में जान माल का नुकसान हुआ। आज भी विपक्ष चार साल पहले वाला माहौल बनाना चाहता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बार–बार कह रही हैं कि वे पश्चिम बंगाल में सीएए को लागू नहीं होने देंगी। हालांकि संसद के पारित कानून को लागू न करने देना अवैधानिक ही माना जाएगा। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल सीएए के मुद्दे पर लगातार विभाजनकारी बयानबाजी कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के अलावा कांग्रेस, सपा, राजद, वाम दल तथा मुस्लिम तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों के पेट में मरोड़ उठ रहा है। देश में शरणार्थियों की संख्या की बात करें एक रिपोर्ट के अनुसार 199,931 हैं। यह आंकड़ा 2014 तक का है। 2022 की बात करें तो देश में 242,835.00 शरणार्थी हैं। लेकिन जो 2014 तक भारत आए थे सिर्फ उन्हें ही नागरिकता देने का प्रावधान है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर 2021 में राज्यसभा में बताया था कि वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुल 3,117 अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी गई। हालांकि आवेदन 8,244 मिले थे। वहीं गृह मंत्रालय की 2021–22 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल–दिसंबर 2021 में कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई। पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के जो अल्पसंख्यक जान बचाकर भारत आने में सफल रहे थे वे यहां की नागरिकता पाने का इंतजार बरसों से कर रहे हैं। उनकी संख्या अच्छी–खासी है। वे अल्पसंख्यक होने के कारण ही इन तीनों देशों में प्रताड़ित किए गए। उनके पास प्रताड़ना से बचने के लिए भारत आने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। विपक्ष को इस मुद्दे पर राजनीति से बाज आना चाहिए। वहीं मुस्लिम समुदाय को भी जमीनी हकीकत को समझना चाहिए। राजनीतिक दलों के बहकावे में आकर कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जो देश और संविधान के खिलाफ हो। आखिरकार यहां सवाल उन हजारों लोगों की जिंदगियों का है जो भारत की नागरिकता लेकर अमन चैन से अपनी जिंदगी बसर करने की ख्वाहिश रखते हैं।

विचार–विण्डो

अफगानिस्तानियों को धोखा देने का साधन मात्र है डूरंड रेखा

मनीष राय

अफगान अधिकारियों ने हमेशा अपने ब्रिटिश समकक्षों से इस सीमा विवाद को सुलझाने के लिए व्यापक बातचीत के लिए कहा, लेकिन सभी अनुरोध अनसुने कर दिए गए। और जैसे ही ब्रिटेन भारत छोड़ने के लिए तैयार हुआ, अफगानिस्तान ने फिर से सीमा में संशोधन की मांग की।

पिछले महीने तालिबान के उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक सीमा का अभाव है। उन्होंने आगे कहा कि अफगानिस्तान कभी भी डूरंड रेखा को पाकिस्तान के साथ अपनी आधिकारिक सीमा के रूप में मान्यता नही देगा। पहले भी वरिष्ठ तालिबान नेताओं ने डूरंड रेखा की वैधता पर सवाल उठाए हैं जैसे – रक्षा मंत्री मौलवी मुहम्मद याकूब मुजाहिद ने पिछले साल कहा था कि डूरंड रेखा महज एक 'रेखा' है। मौलवी याकूब ने यह भी कहा कि जब अफगान लोग चाहेंगे तो अफगानिस्तान इस मामले को इस्लामाबाद के सामने उठाएगा। जबसे काबुल में तालिबान सत्ता में आया है, विवादित सीमा के दोनों ओर के सैनिकों ने कई मौकों पर एक–दूसरे पर गोलीबारी की है, जिससे दोनों पक्षों को नुकसान हुआ है। ये सीमा विवाद कोई नई बात नही है; यह पाकिस्तान के निर्माण के तुरंत बाद ही अस्तित्व में आया। 1947 में जब पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ, तो अफगानिस्तान इसकी सदस्यता के खिलाफ मतदान करने वाला एकमात्र सदस्य राष्ट्र था। अफ़गानों ने तर्क दिया कि जब तक विवादित सीमा की समस्या अनसुलझी रहेगी तब तक पाकिस्तान को मान्यता नही दी जानी चाहिए। यह कहना सही होगा कि डूरंड रेखा मुद्दा पाकिस्तान के जन्म के बाद से अफगान–पाकिस्तान संबंधों की अप्रत्याशित प्रकृति को जटिल बनाता रहा है।

आइए इस विवादास्पद सीमा रेखा की उत्पत्ति पर एक नज़र डालें। उन्नीसवी सदी के दौरान मध्य एशिया में बढ़ते रूसी विस्तारवाद और प्रभाव ने भारत में ब्रिटिश अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी। इसके परिणामस्वरूप दोनों साम्राज्यों के बीच कई राजनीतिक और कूटनीतिक टकराव हुए, जिसे बाद में "द ग्रेट गेम" के नाम से जाना गया। ट्रांस–कैस्पियन रेलवे का निर्माण, विशेष रूप से 1890 में निर्मित विस्तार, जो गोशगी में अफगान सीमा तक पहुंच गया था, ब्रिटिश राज (भारत सरकार) के लिए चिंता का एक और स्रोत था, क्योंकि यह रूस को अफगानिस्तान में बड़ी सेना लाने में सक्षम कर सकता था। रूस भी मध्य एशिया में ब्रिटिश वाणिज्यिक और सैन्य छापे से भयभीत था, जबकि ब्रिटेन चिंतित था कि रूस कही अपने विशाल क्षेत्र में भारत को शामिल ना कर ले। परिणामस्वरूप, दोनों साम्राज्यों के बीच संदेह, अविश्वास और युद्ध के स्थायी भय का माहौल पैदा हो गया। इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजों ने अफगानिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया जो एंग्लो–अफगान युद्ध के रूप में प्रसिद्ध है। हालाँकि, वे अफगानिस्तान पर सीधा नियंत्रण करने में विफल रहे। इसलिए, उन्होंने देश को एक बफर राज्य में बदलकर इस मुद्दे को कुछ हद तक सुलझाया। इस योजना को पूरा करने के लिए, ब्रिटिश सरकार ने अफगान अमीर (राजा) अब्दुर रहमान खान को रूसी प्रभाव से अफगान उत्तरी क्षेत्रों की रक्षा के लिए सैन्य हथियार और उपकरण प्रदान किए।

लेकिन चूंकि यह रणनीति पर्याप्त सुरक्षित या आशाजनक नही थी, साथ ही अफगान विदेश नीति को नियंत्रित करने के लिए, अंग्रेजों का मानना था कि अफगानिस्तान की बाहरी सीमाओं को परिभाषित करना महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी भी औपचारिक सीमा समझौते पर जाने से पहले अंग्रेजों का लक्ष्य अपनी आर्थिक, भू–राजनीतिक और रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जितना संभव हो उतना क्षेत्र पर कब्जा करना था।

अफ़ग़ानिस्तान को उसकी अधिकांश ज़मीन से अलग कर दिया गया और जो कुछ बचा था उस पर उसे कमज़ोर प्रशासनिक नियंत्रण के साथ छोड़ दिया गया। पर्याप्त भूमि हड़पने के बाद, भारत के विदेश सचिव सर मोर्टिमर डूरंड, अफगानिस्तान की सीमा के सीमांकन पर अफगानिस्तान के अमीर के साथ बातचीत शुरू करने के लिए 2 अक्टूबर 1893 को काबुल पहुंचे। अंततः, बातचीत के परिणामस्वरूप डूरंड रेखा का निर्माण हुआ जिसने पश्तून आबादी के आधे हिस्से को संस्कृति, इतिहास और रक्त से घनिष्ठ रूप से विभाजित कर दिया। लेकिन डूरंड रेखा कभी भी वास्तविक सीमा के रूप में काम नही करती थी क्योंकि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सर डूरंड ने स्वयं कहा था: "भारतीय पक्ष की जनजातियों को ब्रिटिश क्षेत्र के भीतर नही माना जाएगा। वे केवल तकनीकी अर्थ में हमारे प्रभाव में हैं" इसे तब और स्पष्ट किया गया जब वायसराय, लॉर्ड एल्गिन ने 1896 में लिखते हुए कहा: "डूरंड रेखा ब्रिटिश सरकार और अमीर के संबंधित प्रभाव क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए एक समझौता था। इसका उद्देश्य यथास्थिति को बरकरार रखना और अमीर की स्वीकृति प्राप्त करना था।"

प्रत्येक अफगान सरकार का तर्क रहा है कि यह रेखा वैध सीमा नही है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल नियंत्रण रेखा होना था, जिसने सुरक्षा के लिए क्षेत्र को प्रभाव क्षेत्रों में विभाजित किया था। काबुल की ओर से एक और दावा, जो सीमा की वैधता को अस्वीकार करता है, वह यह है कि सीमा समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर किए गए थे। हालाँकि कई इतिहासकार इस बात का प्रमाण देते हैं कि अमीर को समझौते के सार और परिणामों के बारे में पूरी जानकारी थी। लेकिन यह भी नही भूलना चाहिए कि अमीर को आर्थिक प्रतिबंध की धमकी के तहत इस पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था। इसके अलावा, अब्दुर रहमान खान अपने क्षेत्र में ब्रिटेन और रूस के बीच युद्ध से बचना चाहते थे, जिसके अनिवार्य रूप से अफगानिस्तान के लिए विनाशकारी परिणाम होते। उस समय की वैश्विक महाशक्ति यानी ब्रिटेन के दबाव का सामना करते समय देश के पास बातचीत के लिए बहुत कम जगह थी।

अफगान अधिकारियों ने हमेशा अपने ब्रिटिश समकक्षों से इस सीमा विवाद को सुलझाने के लिए व्यापक बातचीत के लिए कहा, लेकिन सभी अनुरोध अनसुने कर दिए गए। और जैसे ही ब्रिटेन भारत छोड़ने के लिए तैयार हुआ, अफगानिस्तान ने फिर से सीमा में संशोधन की मांग की। अफगानों की इस माँग को भी अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद, अफगानिस्तान ने घोषणा की कि पिछले सभी डूरंड रेखा समझौते, जिसमें इसे कायम रखने वाली पूर्व एंग्लो–अफगान संधियाँ भी शामिल हैं, अमान्य हैं। इसके अलावा, अफगान संसद ने 1949 में डूरंड रेखा को धोखाधड़ी से खीची गई अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में निंदा करते हुए एक प्रस्ताव जारी किया। संक्षेप में यह कहना सही होगा कि किसी भी अफगान सरकार या राजनीतिक दल ने डूरंड रेखा को पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में कभी स्वीकार नही किया। लेकिन 1970 के दशक के अंत में जब अफ़ग़ानिस्तान एक युद्धग्रस्त देश बन गया तो इस सीमा विवाद को अफ़गानों ने गंभीरता से नही लिया क्योंकि वे आपस में लड़ने में बहुत व्यस्त थे।

पाकिस्तान के लिए अफगानिस्तान में अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ाने के लिए यह एक आदर्श स्थिति थी और यहां तक कि इस्लामाबाद अफगानिस्तान को अपना पांचवां प्रांत भी कहने लगा था। पाकिस्तान कभी भी अपने मामलों को नियंत्रित करने वाला एक गतिशील और शक्तिशाली अफगान राज्य नही चाहता। क्योंकि स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान पाकिस्तान को अपने घरेलू मुद्दों में हस्तक्षेप नही करने देगा और इस्लामाबाद के साथ वर्तमान सीमा रेखा स्वीकार भी नही करेगा। पाकिस्तान को यह स्वीकार करना होगा कि डूरंड रेखा कोई सुलझा हुआ मुद्दा नही है और वे एकतरफा कुछ भी घोषित नही कर सकते। डूरंड रेखा विवाद केवल एक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर विवाद नही है, बल्कि अफगानों के लिए पहचान, जातीयता और संप्रभुता का विवाद है। जब तक दोनों राज्य उपरोक्त मामलों पर आम सहमति पर नही पहुंचते, यह विवादास्पद और विवादित सीमा रेखा दोनों पक्षों में दुश्मनी पैदा करती रहेगी।

फाइनल में विदर्भ को दी 169 रनों से मात

मुंबई ने 42वीं बार जीती रणजी ट्रॉफी

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई की टीम ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 के फाइनल मुकाबले में विदर्भ की टीम को 169 रनों से मात देने के साथ इस ट्रॉफी को 42वीं बार अपने नाम किया है। खिताबी मैच में 538 रनों के स्कोर का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम 368 रन बनाकर सिमट गई।

रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन के फाइनल मुकाबले में मुंबई की टीम ने विदर्भ को 169 रनों से मात देने के साथ इस ट्रॉफी का रिकॉर्ड 42वीं बार अपने नाम किया है। इस फाइनल मैच के पहले दिन के खेल को छोड़ दिया जाए तो बाकी के सभी चार दिन मुंबई की टीम का दबदबा देखने को मिला। मुंबई ने विदर्भ को खिताबी मुकाबले में जीत के लिए 538 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था, जिसका पीछा करते हुए विदर्भ की टीम ने अपनी दूसरी पारी में बेहतर बल्लेबाजी प्रदर्शन तो किया लेकिन वह 368 के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सके। मुंबई के लिए इस मुकाबले में तनुष कोटियन ने गेंद से अहम भूमिका अदा की।

फाइनल मुकाबले के चौथे दिन टारगेट का पीछा करने उतरी विदर्भ की टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 248 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम को कप्तान अक्षर वाडकर से एक मैच विनिंग पारी की उम्मीद थी। पांचवें दिन के खेल के पहले सत्र में विदर्भ की टीम ने एक भी विकेट नहीं गंवाया लेकिन इसके बाद मुंबई की टीम ने दूसरे सत्र में वापसी करने के साथ पहले अक्षय वाडकर को 102 रनों के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा हर्ष दुबे को भी 65 के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजने के साथ जीत की तरफ कदम बढ़ा दिए थे। यहां से विदर्भ की पारी को सिमटने में अधिक समय नहीं लगा और पूरी टीम 368 के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। मुंबई के लिए इस पारी में तनुष कोटियन ने 4 जबकि तुषार देशपांडे और मुशीर खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। वहीं शम्स मुलानी और धवल कुलकर्णी भी 1-1 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में इस रणजी सीजन मैदान पर खेलने उतरी मुंबई की टीम का ग्रुप मैचों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें उन्होंने 7 मैचों में से 5 में जीत हासिल की थी, जबकि एक ड्रा रहा और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला ड्रॉ पर खत्म होने पर पहली पारी में बढ़त के आधार पर मुंबई की टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में सफल रही थी जहां पर उन्होंने तमिलनाडु को पारी और 70 रनों से मात देने के साथ फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का किया। मुंबई के लिए रणजी के इस सत्र में सबसे ज्यादा रन भूपेन लालवानी के बल्ले से देखने को मिले जिन्होंने 10 मैचों में 39.2 के औसत से 588 रन बनाए। वहीं टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट मोहित अवस्थी ने हासिल किए जो 8 मैचों में 35 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे।

18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नहीं देख सकेंगे फिल्में-वेब सीरीज

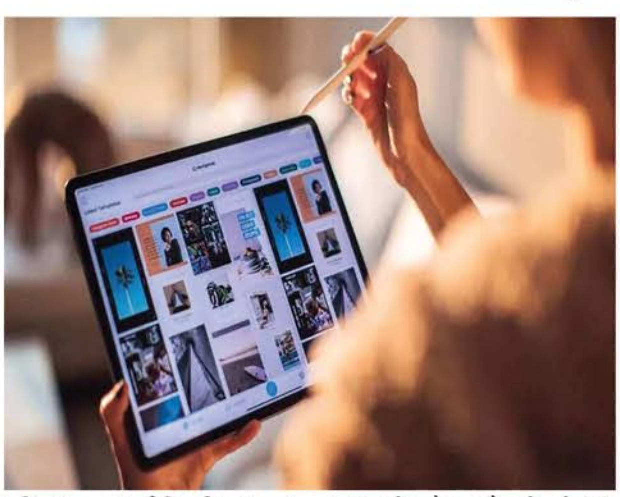

यूनिक समय, नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म को भारत में पूरी तरह से बैन कर दिया है। इन प्लेटफॉर्म की लिस्ट भी जारी कर दी गई है। आखिर ये कौन-कौन से ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं, इसकी पूरी लिस्ट आप यहां देख सकते हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को अश्लील और वल्गर कंटेंट प्रकाशित करने वाले 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई की है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की कई चेतावनियों के बाद केंद्र ने इन प्लेटफार्मों पर देश भर में प्रतिबंध लगा दिया है। केवल ओटीटी प्लेटफॉर्म ही नहीं, मंत्रालय ने इन प्लेटफॉर्मों से जुड़ी 19 वेबसाइटों, 10 ऐप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इनमें कौन-कौन से ओटीटी प्लेट फॉर्म के नाम सामने आए हैं, उसकी लिस्ट आपको यहां देखने को मिलेगी।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की लिस्ट : ड्रीम फिल्म्स, वूवी, येस्समा, अनकट अड्डा, ट्राई फ्लिक्स, एक्स प्राइम, नियॉन एक्स वीआईपी, बेशर्म्स, हंटर्स, रैबिट, एक्स्ट्रामूड, न्यूफ्लिक्स, मूड एक्स, मॉजफ्लिक्स, हॉट शॉट वीआईपी, फुगी, चिकूफ्लिक्स, प्राइम प्ले आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इन प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत लिया गया है। इस फैसले में कई और विभागों-मंत्रालयों से भी राय ली गई है। विभागों-मंत्रालयों का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म्स बच्चों पर गलत प्रभाव डाल सकते थे। ऐसे इन्हें हटाया जाना जरूरी था। कई बार दी गई वॉर्निंग के बाद भी इन प्लेटफॉर्म्स ने ऑबसीन कंटेंट नहीं हटाए। इसी वजह से अब इन्हें पूर्ण रूप से बैन किया गया है।

विराट कोहली और क्रिस गेल भी नहीं कर पाए जो काम

केएल राहुल के नाम अद्भुत कीर्तिमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल के आगाज के साथ ही पहले दिन से नए नए कीर्तिमान बनने शुरू हो जाएंगे। वैसे तो अब तक खेले गए 16 सीजन में कितने ही कीर्तिमान इंडियन प्रीमियर लीग में बन चुके हैं। लेकिन कुछ कीर्तिमान ऐसे होते हैं, जिन्हें जानकर आप भी भौचक्के रह सकते हैं। ऐसा ही एक कीर्तिमान हम आज आपको बताने जा रहे हैं। कमाल की बात ये है जो काम आईपीएल में विराट कोहली और क्रिस गेल भी नहीं कर पाए हैं, जो रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम पर है।

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की बात की जाए तो सबसे ज्यादा शतक लगाने का कीर्तिमान भारत के विराट कोहली के नाम है। उन्होंने पहले सीजन से लेकर अब तक कुल 7 सेंचुरी इस टूर्नामेंट में लगाई हैं। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक क्रिस गेल हैं। उन्होंने 6 शतक लगाने का काम किया है। हालांकि क्रिस गेल अब आईपीएल से दूर हो गए हैं और किसी भी टीम के लिए नहीं खेलते हैं। लेकिन एक ही टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड केएल राहुल के नाम पर है। केएल राहुल ने अब तक आईपीएल में कुल मिलाकर 4 शतक लगाने का काम किया है। लेकिन इसमें से 3 सेंचुरी तो उन्होंने एक ही टीम के खिलाफ जड़ दी हैं। केएल राहुल अब तक कई आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। इसमें आरसीबी, किंग्स इलेवन पंजाब और एलएजसी का नाम लिया जा सकता है। इस वक्त केएल राहुल लखनऊसुपरजायंट्स के कप्तान हैं। इस बार भी वही कमान संभालेंगे। केएल राहुल ने अब तक जो चार शतक आईपीएल में लगाए हैं, उसमें से 3 तो उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ ही जुड़ी हैं। यानी इस तरह से कहा जा सकता है कि जब भी केएल राहुल मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैदान में उतरते हैं तो उनके बल्ले से खूब रन निकलते हैं।

इस मामले में विराट कोहली के बाद नाम आता है क्रिस गेल का। क्रिस गेल ने आईपीएल में 2 सेंचुरी किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ लगाने का काम किया है। हालांकि तब वे आरसीबी के लिए खेलते थे। बाद में जब आरसीबी ने उन्हें छोड़ा तो गेल पंजाब किंग्स के लिए भी आईपीएल खेलते हुए नजर आए थे। पहले सीजन से लेकर अब तक हर बार आरसीबी के लिए खेलने वाले विराट कोहली ने गुजरात लायंस के खिलाफ दो शतक लगाने काम किया है। हालांकि अब गुजरात लायंस की टीम आईपीएल में नहीं है। ये टीम दो साल के लिए आई थी। यानी पहले नंबर पर राहुल और दूसरे पर क्रिस गेल के साथ साथ विराट कोहली हैं। बाकी कोई भी बल्लेबाज एक ही टीम के खिलाफ 2 से ज्यादा शतक लगाने का करिश्मा नहीं कर पाया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'योद्धा' ओपनिंग डे पर करेगी कमाल?

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्राकी अपकमिंग मूवी 'योद्धा' की रिलीज का इंतजार खत्म होने में बस कुछ घंटे बाकी हैं। 15 मार्च यानी कल यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। हालांकि मेकर्स ने रिलीज के दो दिन पहले यानी 12 मार्च से योद्धा की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद से ही फिल्म के टिकट्स धड़ाधड़ बिकने शुरू हो गए हैं। इंतजार है तो कल का जब पता चल जाएगा कि सिद्धार्थ मल्होत्रा की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट होगी या फ्लॉप। इससे पहले आइए जानते हैं कि फिल्म की एडवांस बुकिंग रिपोर्ट क्या कहती है?

सबसे पहले बात करते हैं फिल्म 'योद्धा' की स्टारकास्ट के बारे में। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी, राशि खन्ना, रोनित रॉय और तनुज विरवानी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। ऐसा पहली बार होगा जब सिद्धार्थ मल्होत्रा और राशि खन्ना को ऑनस्क्रीन रोमांस करते हुए देखा जाएगा। इस फिल्म को पुष्कर ओझा ने डायरेक्ट किया है, जबकि धर्मा प्रोडक्शन, अमेज़न प्राइम वीडियो और मेंटर डिसिपल एंटरटेनमेंट ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' ने एडवांस बुकिंग में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने अब तक 25477 टिकट बेच दिए हैं। वहीं रिलीज से पहले फिल्म ने 50.35 लाख रुपये की ग्रॉस कमाई कर ली है। इसके अलावा हिंदी भाषा में भी इसे काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। आपको बता दें कि योद्धा की एडवांस बुकिंग के जो आंकड़े आए हैं, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि फिल्म ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन कर सकती है। करण जौहर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म योद्धा कल यानी 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म शेरशाह के बाद यह दूसरा मौका होगा जब सिद्धार्थ मल्होत्रा योद्धा में देशभक्ति के रंग में रंगे दिखाई देंगे। शेरशाह में उन्होंने विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था, जबकि योद्धा में उन्हें अरुण कत्याल के किरदार में देखा जाएगा। आपको बता दें कि फिल्म योद्धा के जरिए एक्टर प्लेन हाईजैक की कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाएंगे।

रश्मिका की टोक्यो ट्रिप से फिर मिला रिलेशनशिप का हिंट

यूनिक समय नई दिल्ली। पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपने लव अफेयर को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर लोगों को उनके और एक्टर विजय देवरकोंडा के रिलेशनशिप में होने के हिंट मिल जाते हैं। चाहे ये लव बर्ड अपने मुंह से इश्क कबूल न करें लेकिन इनका इंस्टाग्राम हैंडल चीख-चीखकर इनके प्यार में होने का सबूत देता है। कभी इनका कैप्शन एक जैसा होता है तो कभी दोनों एक वक्त पर एक ही जगह से फोटो शेयर करते हैं। जब फैंस ने इनकी चोरी पकड़नी शुरू की तो ये दोनों स्मार्ट हो गए और एक वक्त पर एक जगह से फोटो शेयर करना इन्होने बंद कर दिया। दरअसल, हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम से कुछ फोटोज शेयर की हैं। ये उनकी टोक्यो ट्रिप के दौरान की तस्वीरें हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस शॉपिंग करते हुए, खाना एन्जॉय करते हुए और दोस्तों के साथ मस्ती करती हुए दिखाई दे रही हैं। साथ ही वो जमकर पोज भी दे रही हैं। लेकिन हमारा ध्यान उनकी उस फोटो पर अटक गया जिसमें रश्मिका ओवर साइज्ड व्हाइट जैकेट में दिखाई दे रही हैं। ये जैकेट देख ऐसा लगा जैसे इसे हमने पहले भी देखा है। थोड़ा रिसर्च किया तो ये जैकेट हमें उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी दिखाई दे गई।

सुविचार

दो बातों की गिनती करना छोड़ दें, खुद का दु :ख और दूसरों का सुख, जिंदगी आसान हो जाएगी।

कल का पंचांग

तिथि षष्ठी	11:26-10:09 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र कृत्तिका	04:55-04:08 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय	06:32 AM	चंद्रोदय	09:43 AM
सूर्यास्त	18:23 PM	चंद्रास्त	12:06 PM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत	12:04 AM-12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:06-05:54
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2080
राहुकाल	10.59 से 12:28 तक	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आज के प्रमुख मंदिरों के दर्शन

वृंदावन में राधारमण लाल के श्रृंगार आरती के दर्शन।

नजरदोष से बचाएगी गुलाबी फिटकरी

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु के अनुसार, घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे बचने के लिए घर पर फिटकरी रखना फायदेमंद माना जाता है। मगर अक्सर आपने सफेद रंग की फिटकरी से जुड़े वास्तु उपाय सुने होंगे। मगर आज हम आपको गुलाबी फिटकरी के बारे में बताते हैं। जी हां, सफेद की तरह गुलाबी फिटकरी का भी वास्तु में विशेष महत्व है। चलिए जानते हैं इससे जुड़े कुछ आसान मगर खास उपाय...

अनिद्रा की समस्या से बचने के लिए

अक्सर दिमाग में अलग–अलग बाते घूमने से नींद ना आने की समस्या रहती है। ऐसे में अनिद्रा की समस्या से बचने के लिए शयनकक्ष में एक टुकड़ा गुलाबी फिटकरी का रख दें। माना जाता है कि इससे कमरे में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। ऐसे में अच्छा व गहरी नींद आने में मदद मिलती है।

सेहत में सुधार पाने के लिए

अगर घर में कोई बीमार है तो उसके बेडरूम में सिराहने की तरफ एक स्टूल पर 1 या 2 किलो गुलाबी फिटकरी का पीस रख दें। मान्यता है कि इससे दवा का असर शुरू होने लगेगा। ऐसे में व्यक्ति की सेहत में सुधार आने लगेगा।

मन शांत करने के लिए

अक्सर कई लोगों को घर में घुसते ही गुस्सा आने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए प्रवेश द्वार के पीछे की ओर एक स्टूल पर गुलाबी फिटकरी का एक बड़ा टुकड़ा रख दें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। ऐसे में मन शांत होने में मदद मिलेगी।

एकाग्रता शक्ति बढ़ाने के लिए

बच्चों का मन चंचल होता है। ऐसे में वे पढ़ाई की जगह खेलकूद पर ज्यादा ध्यान देते हैं। ऐसे में बच्चे के कमरे या स्टडी रूम में कांच की प्लेट में एक टुकड़ा गुलाबी फिटकरी का रख दें। इससे उनका आलस दूर होकर एकाग्रता शक्ति बढ़ेगी।

नजरदोष से बचाव के लिए

वास्तु अनुसार, घर के ड्राइंग रूम में द्वार के पास और सभी कमरों में एक–एक टुकड़ा गुलाबी फिटकरी का रखना चाहिए। इससे पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। इसके साथ ही नजरदोष से बचाव रहेगा।

समय–समय पर बदलें फिटकरी

वास्तु अनुसार, गुलाबी फिटकरी घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। मगर इसे हर 5–6 महीने में बदलते रहना चाहिए। आप पुरानी फिटकरी को डस्टबिन में फेंक सकती है।

कल का राशिफल

मेष: किसी प्रियजन के दुष्कर्म के लिए घर पर विवाद। व्यापार में एक नुकसान हो सकता है। अतिरिक्त लागतों के लिए दुनिया में विवाद हो सकता है। दंत रोग बढ़ सकता है।

वृष : दुनिया पर खर्च बढ़ सकता है। गरीब लोगों की मदद करना खुशी की बात है। व्यापार ने अच्छी खबर आ सकती है। रक्तचाप के बारे में सोच बढ़ सकती है। दोपहर के बाद दिन अच्छा होगा, लेकिन तनाव होगा। आप व्यवसाय ऋण से छुटकारा पा सकते हैं।

मिथुन : आपको किसी प्रियजन से प्यार मिलेगा। ड्राइवरों के लिए शुभ दिन। शारीरिक बीमारी के कारण कार्रवाई को नुकसान का डर। आपके सहिष्णु स्वभाव के लिए दुनिया में शांति होगी। इलाज कराने के लिए बहुत पैसा खर्च हो सकता है।

कर्क : प्रेम के विवाद को सुलझाया जा सकता है। कमर के नीचे दर्द के बारे में सोचना। काम के दबाव के कारण दुनिया में समय की कमी के कारण विवाद हो सकते हैं। व्यवसाय कुछ बकाया का भुगतान कर सकता है।

सिंह : बहुत करीबी व्यक्ति के लिए पारिवारिक उथल–पुथल हो सकती है। कुछ महंगा हो सकता है। कल, किसी भी अच्छी खबर को पाने के लिए मन उत्सुक होगा। काम में थोड़ी जटिलता होने पर भी आप सफल होंगे।

कन्या: परिवार में बच्चों को लेकर विवाद हो सकता है। कानूनी समस्याओं से मुक्ति। अपनी प्रतिभा व्यक्त करने का विशेष दिन। कोई भी डर आपके दिमाग को नष्ट कर सकता है। आवेग में कार्य करना खतरनाक हो सकता है।

तुला : आलोचना में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्यार में अत्यधिक जुनून नुकसान पहुंचा सकता है। कार्यस्थल पर जटिलताओं को कम कर सकते हैं। किसी प्रिय मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक : कमाई को लेकर मन में बहुत गुस्सा रहेगा। बिरादरी के किसी व्यक्ति से विवाद हो सकता है। संसार में खुशियाँ लौट आएंगी, लेकिन कड़ी मेहनत के बावजूद कुछ कमियां बनी रहेंगी। वाहन बहुत सावधानी से चलाने होंगे, खतरा है। प्यार के लिए दिन अच्छा है।

धनु : कार्यक्षेत्र में मिश्रित परिणाम मिलेंगे। किसी को अपने हिस्से की संपत्ति का कुछ हिस्सा छोड़ना पड़ सकता है। दूसरों के लिए काम करने का आनंद लें। आगे की सोच कर कमाई का रास्ता अपनाएं।

मकर : व्यवसाय में कर्मचारियों से मनमुटाव हो सकता है। सफ़र के लिए दिन अच्छा नहीं है। माता–पिता के साथ विवादों में दिमाग ठंडा रखें। कार्यस्थल पर जिम्मेदारी बढ़ने से परिवार में उपेक्षा या अशांति।

कुंभ : प्रेम में सफलता। कुटीर उद्योग से जुड़े लोगों की उन्नति हो सकती है। आपके चुटकुले दूसरों के लिए ख़तरा पैदा कर सकते हैं। स्वयं की पर्याप्त आय के साथ अतिरिक्त साधन की भी संभावना है।

मीन : किसी वरिष्ठ से विवाद। बेहतर होगा कि आप अपने पति से बहस न करें। सदुपयोग से दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं। दोपहर तक व्यापार अच्छा रहेगा। मनोकामना पूर्ति दिवस। बच्चों पर खर्चा बढ़ सकता है।

हिंदू धर्म में चोटी क्यों रखी जाती है?

यूनिक समय, मथुरा। हमारे समाज में प्राचीन काल से ही लोग सिर पर शिखा (चोटी) रखते आए हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि 'स्नाने दाने जपे होमे संध्यायां देवतार्चने। शिखाग्रंथिम् विना कर्म न कुर्याद वै कदाचन।।' यानी स्नान, दान, जप, होम, संध्या, देवतार्चन कर्म में नित्य शिखा बांधनी चाहिए। क्योंकि बिना शिखा बंधन किए ये सारे काम निष्फल हो जाते हैं, इसलिए बिना शिखा बंधन किए ये सारे काम नहीं करने चाहिए।

सिर में जिस स्थान पर चोटी रखी जाती है, अर्थात सिर के सभी बालों को काटकर बीचोंबीच के बाल छोड़ दिए जाते हैं।

भौतिक विज्ञान के अनुसार यह मस्तिष्क का केंद्र है और यह शरीर के अंगों, बुद्धि और मन को नियंत्रित करने का स्थान भी है। शिखा को कसकर बांधने की वजह से मस्तिष्क पर दबाव बनता है। इसके चलते रक्त का संचार भी सही तरीके से होता है।

साथ ही आंखों की रोशनी भी सही रहती है और शरीर भी सक्रिय रहता है। योग शास्त्र में इडा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियों की चर्चा होती है। इनमें सुषुम्ना ज्ञान और क्रियाशीलता की नाड़ी है। यह स्पाईनल कॉर्ड से होकर मस्तिष्क तक पहुंचती है। जिस स्थान पर ये नाड़ी मस्तिष्क से मिलती है, उसी स्थान पर चोटी बांधी जाती है। चोटी दिमाग को स्थिर रखती है।

इससे क्रोध नहीं आता है और सोचने–समझने की क्षमता बढ़ती है। मानसिक मजबूती के साथ एकाग्रता बढ़ती है। चोटी बांधने से मस्तिष्क की ऊर्जा की रक्षा होती है और आत्मशक्ति बढ़ती है।

परफेक्ट हसबैंड साबित होते हैं इन चार राशियों के लड़के

लाइफ पार्टनर को हमेशा रखते हैं खुश

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिषियों की मानें तो राशि के अनुसार हर व्यक्ति का लव नेचर भी अलग होता है। इसके जरिए ये जाना जा सकता कि किस राशि के पतियों का स्वभाव कैसा होता है और वे अपने लाइफ पार्टनर से कैसे बिहेव करते हैं। आज हम आपको चार ऐसी राशियों के बारे में बता रहे हैं, जिनके पति एकदम परफेक्ट हसबैंड साबित होते हैं। आगे जानिए इन 4 राशियों के बारे में....

पार्टनर के प्रति ईमानदार होते हैं वृष राशि के पति

वृष राशि के लड़के अपनी लाइफ पार्टनर की पसंद–नापसंद का पूरा–पूरा ख्याल रखते हैं और उन्हें अपनी पलकों पर बैठाकर रखते हैं। उनकी हर छोटी–छोटी खुशियों के बारे में इन्हें पता होता है। कोई भी बड़ा डिसिजन लेने से पहले ये अपनी पत्नी से राय जरूर लेते हैं। खास बात ये है कि ये अपने पार्टनर के प्रति पूरी तरह से ईमानदार होते हैं। कुल मिलाकर इस राशि के लड़के बेस्ट हसबैंड मटेरियल होते हैं।

बहुत केयरिग होते हैं कर्क राशि के पति

पत्नी की केयर करना कोई कर्क राशि वालों से सीखें। इस राशि के पति रोमांटिक तो होते ही हैं, साथ ही साथ पत्नी को घूमाने–फिराने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते।

इन्हें जब भी मौका मिलता है ये पत्नी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की कोशिश करते हैं। शॉपिंग की फरमाईश हो या और कुछ, ये पत्नी की कोई बात नहीं टालते। पत्नी की केयर करना इन्हें अच्छी तरह से आता है। ये सिर्फ अच्छे पति ही नहीं बल्कि पिता भी साबित होते हैं।

बेस्ट पति होते हैं धनु राशि के पति

इस राशि के लोगों की मैरिड लाइफ बहुत खुशहाल रहती है, इसका कारण है इस राशि के पतियों का नेचर। पत्नी को कब क्या चीज चाहिए, ये बात ये अच्छी तरह से जानते हैं। इनके अंदर बेस्ट पति बनने के सारे गुण मौजूद होते हैं। ये अपने लाइफ पार्टनर का दिल जीतने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते और खास मौकों पर सरप्राइज देकर प्यार का इजहार भी करते हैं।

दिल जीतने में माहिर होते हैं मीन राशि के पति

मीन राशि के पति दिल जीतने में माहिर होते हैं। खास मौकों पर ये अपने लाइफ पार्टनर को स्पेशल फील कराने का मौका नहीं छोड़ते। इसलिए इनकी पत्नी इनसे काफी खुश रहती है। ये अक्सर रोमांटिक मूड में होते हैं और शेरो–शायरी करने में भी माहिर होते हैं। इमोशनल होना इनका एक अतिरिक्त गुण होता है।

बालू खनन का मामला

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के 13 ठिकानों पर ईडी की रेड

यूनिक समय, लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गुरुवार को देश के 13 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली समेत कई राज्यों में की गई। बता दें कि पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति से जुड़े बालू खनन केस के तहत यह छापेमारी की गई है। बता दें कि ईडी ने गायत्री प्रजापति, उनकी पत्नी और बेटे के अलग-अलग ठिकानों यानी लखनऊ अमेठी, मुंबई, दिल्ली समेत कुल 13 जगहों पर छापेमारी की। बता दें कि छापेमारी अब भी जारी है, इसके लिए राज्य पुलिस की मदद ली जा रही है।

बता दें कि अमेठी स्थिति आवास विकास कॉलोनी और गंगागंज मोहल्ले में जब ईडी ने रेड की तो उस दौरान गायत्री प्रजापति और पत्नी महाराजी देवी और छोटा बेटा अनुराग प्रजापति घर के अंदर मौजूद हैं। वहीं गायत्री प्रजापति के करीबी और उनकी महिला मित्रा गुड्डा देवी के अमेठी स्थिति आवास पर भी ईडी ने छापेमारी की है। बता दें कि गुरुवार की सुबह 7 बजे चार गाड़ियों में ईडी की टीम पुलिस बल के साथ छापेमारी करने पहुंची। बता दें कि गायत्री प्रजापति की करीबी महिला के नाम पर सुल्तानपुर रोड और गोसाईगंज में करोड़ों की जमीन है।

दरअसल जब यूपी पुलिस के एक बड़े अफसर से इस महिला का विवाद हुआ था, तो अफसर के खिलाफ महिला ने थाने में एफआईआर कराई थी। गायत्री प्रजापति हमीरपुर अवैध खनन मामले में आरोपी हैं। अवैध खनन घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। पिछले दिनों सीबीआई की ओर से पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पूछताछ के लिए तलब किया था। हालांकि, अखिलेश यादव इस पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे। अब गायत्री प्रजापति के ठिकानों पर ईडी की टीम के छापे से हड़कंप मच गया है। बता दें कि गायत्री प्रसाद वर्तमान में जेल में हैं। तो वहीं अवैध खनन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम उनके और उनके करीबियों के ठिकाने पर छापे मार रही है।

सीएम योगी ने अफसरों को दी नसीहत

पेपर लीक मामला: 'जो बोओगे वही काटोगे'

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि जो लोग परीक्षा से खिलवाड़ कर रहें हैं सरकार उनको बिलकुल नहीं छोड़ेगी। उन्होंने अफसरों से कहा है कि आप जो बोओगे वही काटोगे।

उत्तर प्रदेश में सरकारी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र के लीक होने से युवाओं में हताशा का माहौल है। अब इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएम योगी ने अफसरों से कहा है कि आपकी आपकी नियुक्ति समाधान के लिए की गई है न कि समस्या के लिए। योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को सख्त हिदायत देते हुए इशारों-इशारों में बड़ी बात कह दी है। उन्होंने अफसरों से कहा है कि आप जो बोओगे वही काटोगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि जो लोग परीक्षा से खिलवाड़ कर रहें हैं सरकार

उनको बिलकुल नहीं छोड़ेगी, उनके ऊपर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। सीएम योगी ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि युवाओं के भविष्य से हम किसी को नहीं खेलने देंगे।

उन्होंने पेपर लीक में शामिल आरोपियों को लेकर कहा कि वे कब तक छुपेंगे, हम उनको ढूंढ लेंगे।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की द्वितीय पाली का पेपर आउट कराने वाले गिरोह के एक सदस्य महेन्द्र शर्मा को एसटीएफ ने पेपर और आंसर सीट के साथ हरियाणा से गिरफ्तार किया है। महेन्द्र शर्मा ने पूछताछ में बताया कि जींद में उसकी दुकान है। जिस पर वह काम करता है। 15 फरवरी को उसके गांव के विक्रम जो दिल्ली पुलिस में है, उसे अपने साथ मानेसर गुरुग्राम स्थित रिसोर्ट पर लेकर गया। उसने बोला कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्न-पत्र आने वाला है। इस काम में मेरा सहयोग करो तुमको भी एक-दो लाख रूपये दे दूंगा।

गुरुग्राम स्थित रिसोर्ट में करीब 300-400 परीक्षार्थी पहले से मौजूद थे और 10-12 बसों से अन्य परीक्षार्थी को लेकर गौरव चौधरी व अन्य लोग रिसोर्ट में आये। रिसोर्ट का मालिक भी पहले से ही वहां मौजूद था। करीब 1000 परीक्षार्थी रिसोर्ट में आ चुके थे। जिसके बाद विक्रम पहल ने सबके साथ मीटिंग की।

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बर्बाद कर देंगे

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को लोक सेवा आयोग के अंतर्गत चयनित 39 एसडीएम, 41 पुलिस अधीक्षकों और 16 कोषाधिकारियों व लेखाधिकारियों को नियुक्ति वितरित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक मामले पर कहा कि जिन लोगों ने भी परीक्षा की शुचिता में सेंध लगाई है उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। वो कहीं भी हों हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों का भविष्य बर्बाद कर देंगे। ऐसे लोगों पर छापे मारे जा रहे हैं। प्रॉपर्टी सील हो रही है। मुख्यमंत्री योगी बृहस्पतिवार को लोक सेवा आयोग के अंतर्गत चयनित 39

एसडीएम, 41 पुलिस अधीक्षकों और 16 कोषाधिकारियों व लेखाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ईमानदारी से काम करती है तो परसेप्शन बदलता है। पहले भी लोग वही थे लेकिन मशीनरी को संदेह के दायरे में रखा गया था। आज मशीनरी वही है, लोग वही हैं, बस काम का तरीका बदला है। उन्होंने युवा अफसरों से कहा कि आपके पास जनता की दुआ लेने और बद्दुआ लेने का मौका होता है। ये आपको तय करना है कि 35 साल क्या लेना है? बद्दुआ लेने वालों की बड़ी दुर्गति होती है। उन्हें कोई पूछता नहीं है। सचिवालय में भटकते मिलते हैं। जो बोया है वही काटा जाता है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश बदल रहा है। यह प्रदेश की नई तस्वीर है।

मात्र आठ महीने नौ दिन में पीसीएस की परीक्षा पूरी हो गई जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। ये पहले यूपी में सोचा भी नहीं जा सकता था। पहले दो से तीन साल लग जाते थे। परीक्षा में एक तिहाई सफलता बेटियों को मिली है। यह नियुक्ति पत्र वितरण का 28वां समारोह है। अब तक 65 हजार से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र दिया जा चुका है। उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा कि अब आप की जिम्मेदारी है। विकसित यूपी को आगे बढ़ाने में अब आप का योगदान जरूरी है आपके माता-पिता को नमन।

ई-ऑटो रिक्शा की ड्राइविंग सीट संभालेंगी महिलाएं

यूनिक समय, लखनऊ। रोडवेज बसों के बाद अब उत्तर प्रदेश की महिलाएं आम पब्लिक ट्रांसपोर्ट की भी ड्राइविंग सीट पर नजर आने वाली हैं। प्रदेश की महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के मिशन में जुटी योगी सरकार मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को स्वरोजगार उन्मुख ई रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ रही है। इसके माध्यम से सरकार न सिर्फ महिलाओं को निशुल्क ई रिक्शा प्रशिक्षण दिला रही है, बल्कि ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही सस्ती ब्याज दरों पर ई रिक्शा दिलाने का भी प्रबंध कर रही है। यही नहीं, ई रिक्शा पर 50 हजार रुपए तक की सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। प्रत्येक जनपद से 250 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सरकार की इस पहल से अब प्रदेश भर में सड़क पर प्रशिक्षित महिला ड्राइवर्स उच्च गुणवत्ता वाले ई रिक्शा चलाती नजर आएंगी। इससे उनकी आय का प्रबंध भी होगा और रोड एक्सीडेंट जैसी घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत ई रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम एमएसएमई विभाग द्वारा संचालित एवं यूपीकॉन द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक जनपद से एक हजार महिलाओं को प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। मिशन शक्ति के तहत दो पार्ट में ट्रेनिंग आयोजित की गई है। पहले चरण में 56200 महिलाओं (प्रति जनपद 750) को 6 दिन का प्रशिक्षण दिया गया था। इसमें तीन दिन महिलाओं को वर्क प्लेस से संबंधी सेफ्टी, सिक्योरिटी, और सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई थी। इसके बाद तीन दिन उनको उद्यमिता विकास की ट्रेनिंग कराई गई थी। फेज 2 में 250 महिलाएं प्रति जनपद के हिसाब से 18750

करीब 20 हजार महिलाओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

महिलाओं को ई रिक्शा ट्रेनिंग दी जा रही है। ड्राइविंग डोमेन में स्वरोजगार उन्मुख प्रशिक्षण की अवधि 6 माह की है। प्रशिक्षण के लिए महिलाओं का चयन मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की गाइडलाइंस के तहत किया जा रहा है। इसमें 10वीं पास 18 से 40 वर्ष की महिलाएं पात्र हैं। साथ ही उनके पास आधार और पैन कार्ड होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि यह एक लाइवलीहुड प्रोग्राम है। इसके तहत हमने 250 महिलाएं प्रति जनपद का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रवीण सिंह ने बताया कि योजना के तहत ई रिक्शा की स्टैंडर्ड कॉस्ट 1.98 लाख रुपए निर्धारित की गई है। हमने जेम पोर्टल के माध्यम से ई रिक्शा कंपनीज का चयन किया है। ये कंपनियां लिथियम आयन बैटरी वाले ई रिक्शा बनाती हैं जो सबसे उच्चतम क्वालिटी के होते हैं। 1.98 हजार में योजना के अंतर्गत योग्य पाई जाने वाली महिलाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 49 हजार 500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। बाकी जो पैसा है उसको नेशनलाइज बैंक से फाइनेंस कराने का प्रयास किया जाएगा। हमारा प्रयास महिलाओं को बैंक तक ले जाना और उनका फाइनेंस कराना है, ताकि उनका स्वरोजगार शुरू हो सके। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम नवंबर 2023 से शुरू हुआ है। अभी बैचवार यह कार्यक्रम चल रहा है, जिसमें एक बैच में प्रति जनपद 250 महिलाओं का प्रशिक्षण चल रहा है। जिन जनपदों में पोटेंशियल ज्यादा है, वहां संख्या ज्यादा भी की जा सकती है।

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS IN JUST 3 Easy Steps
CALL +91 9837115157
E-MAIL Send Advertisement Details to: informunicom@gmail.com
PAY Online through- PAYTM

सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार बने चुनाव आयुक्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। चुनाव आयोग में खाली 2 पदों पर नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हो गई है। इन दो पदों के लिए सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार को चुना गया है। बता दें कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली समिति ने इस बाबत आज बैठक की थी, जिसके बाद इन नामों पर मुहर लगी है।

चुनाव आयोग में खाली चुनाव आयुक्तों के 2 पदों पर नियुक्ति हो चुकी है। इन पदों के लिए सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार को चुना गया है। इस बाबत पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समिति की बैठक की गई थी, जिसके बाद इन दोनों नामों पर मुहर लग गई है। समिति के सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने इस बाबत कहा कि आज दो इलेक्शन कमिश्नर के चयन की मीटिंग हुई। चुनाव क लिए पद रिक्त नहीं होना चाहिए, हम यह मानते हैं। इस समिति में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, अर्जुनराम मेघवाल और अधीर रंजन चौधरी

शामिल थे। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि इस बैठक में 6 नामों पर चर्चा की गई।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के मुताबिक इस बैठक में उत्पल कुमार सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, ज्ञानेश कुमार, इंदीवीर पांडेय, सुखबीर सिंह, गंगाधर राहत के नामों पर चर्चा की गई। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने पहले ही एक शॉर्टलिस्ट मांगा था। मतलब छोटी सूची हमें सौंपी जाए। मुझे जो सूची दी गई थी, उसमें 212 नाम थे। हमारी कमेटी में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल हैं। यानि सराकर की बहुमत है। यानी सरकार के मुताबिक ही चुनाव आयुक्त का चयन होगा। सुप्रीम कोर्ट ने गोयल साहब के अपॉइंटमेंट पर कहा था कि जिस गति से उनका अपॉइंटमेंट हुआ, उसी गति से वो निकल गए।

अधीर रंजन चौधरी ने आगे कहा

अधीर रंजन चौधरी बोले— इस प्रक्रिया को मान्यता नहीं देता मैं

कि चुनाव आयुक्तों के चयन की इस प्रक्रिया को मैं मान्यता नहीं देता हूं। मैंने बारी से डीसेंट नोट दिया है। मैंने कहा, मैं नहीं मानता, लोकतंत्र के इतने बड़े पद, इतने कद्दावर नेता का नाम मेरे हाथ में औपचारिकता है। मुझे 212 नाम दिए गए थे। आखिरी के 10 मिनट में 6 नाम दिए गए। यही डिटेंस नोट मैंने दिया।

अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि वे चुनाव आयुक्तों के चयन की इस प्रक्रिया को नहीं मानते हैं और मान्यता नहीं देते हैं। बता दें कि चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के बाद से यह पद खाली हो गया था। साथ ही लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इस पद पर नियुक्ति बेहद अहम थी।

सुधा मूर्ति ने राज्यसभा सांसद के रूप में ली शपथ

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन के लिए नामांकन के कुछ दिनों बाद, लेखिका सुधा मूर्ति ने गुरुवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। इंफोसिस के संस्थापक और सुधा मूर्ति के पति नारायण मूर्ति उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कक्ष में उनके शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सुधा मूर्ति के नामांकन की घोषणा की और सामाजिक कार्य, परोपकार और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्वीकार किया।

मुझे खुशी है कि भारत के राष्ट्रपति ने सुधा मूर्ति को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। सामाजिक कार्य, परोपकार और शिक्षा सहित विविध क्षेत्रों में सुधा जी का योगदान अतुलनीय और प्रेरणादायक रहा है। राज्यसभा में उनकी उपस्थिति हमारी 'नारी शक्ति' का एक शक्तिशाली प्रमाण है, जो हमारे देश की नियति को आकार देने में महिलाओं की ताकत और क्षमता का उदाहरण है," पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया।

सुधा मूर्ति ने इस जिम्मेदारी पर खुशी व्यक्त की और कहा कि वह गरीबों के लिए काम करने के लिए एक बड़ा मंच पाकर खुश हैं। "मैं खुश हूं, साथ ही मुझे लगता है कि मुझे अधिक जिम्मेदारी दी गई है। मैं अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ काम करूंगी। व्यक्तिगत स्तर पर, मुझे खुशी है कि मुझे गरीबों के लिए काम करने के लिए एक बड़ा मंच मिल रहा है।" सुधा मूर्ति ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया।

दिल्ली के शास्त्री नगर में चार मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

दो बच्चियों सहित चार लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में स्थित एक रिहायशी इमारत में गुरुवार तड़के भीषण आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। आग लगने से पार्किंग में खड़े चार वाहन जल गए। पुलिस ने किसी तरह से आग पर काबू पाया।

शास्त्री नगर इलाके के गली नंबर–13 के मकान नंबर 65 में आग लगी थी। यह एक रेजिडेंशियल बिल्डिंग है जिसमें चार मंजिलें है। इसके साथ ही ग्राउंड फ्लोर और पार्किंग भी है। आग पार्किंग से शुरू होकर पूरी बिल्डिंग में फैल गई जिससे बिल्डिंग में धुआं भर गया। गली काफी संकरी होने की वजह से फायर टेंडर्स को मौके पर पहुंचने

में काफी दिक्कतें हुई । पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हमें सुबह पांच बजकर करीब 20 मिनट पर गीता कॉलोनी के पास शास्त्री नगर में भीषण आग लगने की सूचना मिली। हमने तुरंत दिल्ली अग्निशमन सेवा को सूचित किया। पुलिस की एक टीम, दमकल की चार गाड़ियां, एम्बुलेंस और पीसीआर वैन को घटनास्थल पर भेजा गया।'' पुलिस ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें चार मंजिल हैं और भूतल पर कार पार्किंग है। उन्होंने बताया कि आग पार्किंग स्थल से शुरू हुई और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। अधिकारी ने बताया, ''गली संकरी होने के बावजूद अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। हरेक मंजिल की तलाशी ली गई। तीन पुरुषों, चार महिलाओं और दो बच्चों को वहां से निकालकर हेडगेवार अस्पताल भेजा गया। लेकिन इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई।'' मृतकों में 30 साल का मनोज, 28 साल की महिला सुमन, एक 5 साल बच्ची और एक 3 साल की बच्ची भी शामिल है।

सीएए पर केजरीवाल के बयान को लेकर बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर शरणार्थी भड़क गए हैं। मुख्यमंत्री ने बुधवार को दावा किया था कि सीएए से कानून–व्यवस्था चरमरा जाएगी और इसके बाद चोरी, डकैती और दुष्कर्म के मामलों में वृद्धि होगी। जिसके बाद अब गुरुवार को हिंदू शरणार्थियों ने सीएम आवास के बाहर प्रदर्शन किया है।

भाजपा की तरफ से भी केजरीवाल को घेरा गया। गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि केजरीवाल बस वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। इस बीच हिंदू शरणार्थियों ने केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया है। हिंदू शरणार्थियों का कहना है कि केजरीवाल ने जो भी कहा वो गलत है। उन्होंने गलत शब्दों का इस्तेमाल

सीएम के घर के बाहर शरणार्थियों ने किया विरोध प्रदर्शन

किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अपना धैर्य खो बैठे हैं (आपा खो बैठे हैं)। उन्हें नहीं पता कि ये सभी लोग पहले ही भारत में आ चुके हैं और रह रहे हैं। अगर उन्हें इतनी ही चिंता है तो वे क्यों बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात नहीं करते, रोहिंग्याओं का विरोध क्यों नहीं करते? वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के बारे में तो ये नहीं बोलते। वे विभाजन की पृष्ठभूमि भूल गए हैं, उन्हें शरणार्थी परिवारों से मिलना चाहिए।'

चाचा से बगावत और उन्हीं के चेहरे पर प्रचार!

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अजित पवार को फटकार

यूनिक समय, मुंबई। एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) के चुनाव चिन्ह पर उठे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने अजित पवार की अगुवाई वाले एनसीपी गुट से कहा है कि वह चुनाव प्रचार में शरद पवार की तस्वीरें, नाम और चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल न करें। इसके लिए अजित के गुट से दो दिन में एक अंडरटेकिंग दाखिल करने को कहा गया है।

बता दें कि एनसीपी के शरद पवार गुट की ओर से शिकायत की गई थी कि अजित पवार का गुट अभी भी मतदाताओं के सामने शरद पवार के नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब

चुनाव आने वाले होते हैं तो आपको शरद पवार की जरूरत महसूस होने लगती है। वैसे आपको उनकी कोई जरूरत नहीं महसूस होती। आपकी अलग पहचान है और वोटर्स के बीच उसी के साथ जाएं।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार के गुट से 16 मार्च तक जवाब देने के लिए कहा है। शरद पवार गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक संघवी ने कहा कि अगर आप बराबर का मैदान चाहते हैं तो सिंबल और तस्वीरों का इस्तेमाल न करें।

उन्होंने कहा कि एनसीपी का चुनाव चिन्ह घड़ी ऐतिहासिक रूप से शरद पवार से जुड़ा हुआ है। अदालत ने अजित पवार गुट से कहा है कि वह अलग चुनाव चिह्न तय करें।

6 फरवरी को निर्वाचन आयोग ने अजित पवार के गुट को असली एनसीपी के तौर पर पहचान दी थी और इसे पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह पर भी कंट्रोल दिया था। इसके बाद शरद पवार गुट ने पार्टी का नाम 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी–शरदचंद्र पवार' रख दिया था। 13 फरवरी को उन्होंने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी और 24 फरवरी को अपना नया चुनाव चिन्ह 'तुरही बजाता हुआ व्यक्ति' पेश किया था।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो. 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053